आई.एस.ओ. 9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक 124- ● जबलपुर ● शनिवार, 5 जून, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -10 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

ट्विटर की मनमानी

उपराष्ट्रपति तथा संघ प्रमुख के एकाउंट से वेरीफाइड निशान हटाया

नई दिल्ली। माइक्रो ब्लॉगिंग कंपनी ट्विटर के साथ जारी विवाद शनिवार को उस समय बढ़ गया जब पता चला कि ट्विटा ने भारत के उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के ट्विटर हैंडल (निजी ट्विटर हैंडल) से ब्लू टिक हटा दिया है। यही नहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार सुरेश सोनी व पूर्व कार्यवाह भैय्या जी जोशी समेत अन्य का ब्लू टिक भी हटाया गया है। मामला सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने सख्ती दिखाई और ट्विटर से सम्पर्क साधा। सरकार की सख्ती के बाद ट्विटर ने अपनी गलती सुधारी और वेंकैया नायडू के हैंडल पर ब्लू टिक बहाल कर दिया गया। आरएसएस के पदाधिकारियों को लेकर भी यही भरोसा दिया गया है। इस बीच, ताजा खबर यह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत के ट्विटर हैंडल से भी ब्लू टिक हटा दिया गया है। माना जा रहा है किट्विटर की मनमानी के बाद सरकार कंपनी से खफा है और बड़ी कार्रवाई के मूड में है। सरकार वेंकैया नायडू के अकाउंट को अनवेरिफाइड करना असंवैधानिक बता रही है।

ट्विटर ने सरकार के सामने दलील रखी कि 6 माह से अकाउंट एक्टिव नहीं होने के कारण ब्लू टिक हटाया गया है। इस पर सरकार ने दिवंगत नेता अरुण जेटली और सुषमा स्वराज के अकाउंट का हवाला दिया। साथ ही बताया कि वेंकैया नायडू ट्विटर पर एक्टिव रहते हैं, तो ट्विटर ने गलती सुधारी। बता दें, ट्विटर विवादों में है क्योंकि वह भारत सरकार के कानून मानने में आनाकानी कर रही है। ऐसे में उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के ट्विटर हैंडल से ब्लू टिक हटना आग में घी का काम करेगा। मामला सामने आने के बाद इसके बाद से इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्विटर का नए सिरे से विरोध शुरू हो गया है और लोग इस कंपनी पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

फेसबुक की दादागिरी फिर सॉरी

केंद्र सरकार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के बीच जारी तकरार के बीच फेसबुक और इंस्टाग्राम ने प्रेस इंफरमेशन ब्यूरो के फैक्ट चेक की एक पोस्ट पर कार्रवाई करते हुए उसको हटा दिया था, इतना ही नहीं फेसबुक ने इसके लिए पीआईबी फैक्ट चेक को पेज ब्लॉक करने की धमकी भी दी थी। बाद में फिर इसपर सरकार ने दखल दिया तो फेसबुक और इंस्टाग्राम को इसे दोबारा प्रकाशित करना पड़ा और कहना पड़ा कि कंटेंट की गलती से ब्लॉक कर दिया था।

डोनाल्ड ट्रंप का फेसबुक अकाउंट सस्पेंड

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक ने अमेरिक के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को 2 साल के लिए निलंबित कर दिया है. फेसबुक ने कहा कि वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट को दो साल के लिए निलंबित कर रहा है, क्योंकि उसकी जांच में यह पाया गया कि 6 जनवरी को कैपिटल बिल्डिंग पर हमले से पहले उन्होंने हिंसा को बढ़ावा दिया था। बता दें कि फेसबुक ने ट्रंप के अकाउंट को कंपनी ने 6 जनवरी को अनिश्चितकाल उके लिए बंद कर दिया था, जिससे ट्रंप अब अपने अकाउंट पर कोई पोस्ट नहीं कर सकते थे। जनवरी में जब फेसबुक ने ट्रंप के अकाउंट को बंद किया था तब उसने अपने इस कदम के पक्ष में यूएस कैपिटल (संसद भवन) में हिंसा और भड़कने का हवाला दिया था. एफबी ने कहा था कि उसने ट्रंप के किसी भी पोस्ट के लिए खबर योग्य छूट नीति का इस्तेमाल नहीं किया है. फेसबुक ने हालांकि इस संबंध में टिप्पणी से इनकार किया था।

फटाफट खबरें

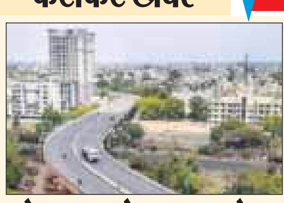

सोमवार से 5 चरणो में अनलॉक होगा महाराष्ट्रः उधव ठाकरे

मुंबई। यू-टर्न लेने के एक दिन बाद, शुक्रवार की देर रात अचानक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी किया और कहा कि राज्य में कोविड-19 सकारात्मकता दर और ऑक्सीजन बेड की उपलब्धता के आधार पर लॉकडाउन में सोमवार से ढील दी जाएगी और ये नया आदेश सोमवार, 7 जून से लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने उन जिलों और शहरों में प्रतिबंध हटाने के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाई गई 5-स्तरीय योजना को भी साझा किया, जहां सकारात्मकता दर में गिरावट आई है।

7 जून से चलेगी मेट्रो, खुलेंगे मॉल-बाजार और ऑफिस

नई दिल्ली। दिल्ली में सात जून यानी आने वाले सोमवार सुबह पांच बजे तक लॉकडाउन लगा है इसके साथ ही अनलॉक की प्रक्रिया भी इस हफ्ते से शुरू हो चुकी है। शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली में सीमित लॉकडाउन बढ़ाने के साथ ही दूसरे चरण के अनलॉक के बारे में भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि दिल्ली में सीमित तौर पर लॉकडाउन जरूर जारी रहेगा लेकिन 7 जून से अनलॉक-2 के तहत रियायतें दी जा रही हैं। इसमें मेट्रो संचालन से लेकर बाजार का खुलना भी शामिल है।

गूगल मीट हुआ ठप, भारत समेत दुनियाभर के यूजर्स हलकान

नई दिल्ली। गूगल का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एप गूगलमीट भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में ठप है जिसके कारण लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा है। गूगल मीट के डाउन होने से भारतीय यूजर्स को काफी परेशानी हो रही है, क्योंकि गूगल मीट आज यानी 5 जून को सुबह से ही डाउन है और सुबह में ही ऑनलाइन क्लासेज चल रही हैं। इसके अलावा लोगों को ऑफिस की मीटिंग भी अटेंड करनी होती है। गूगलमीट के ठप होने की पुष्टि डाउनडिटेक्टर ने भी की है।डाउनडिटेक्टर पर दी गई जानकारी के मुताबिक गूगल मीट 5 जून को सुबह 6 बजकर 42 मिनट से डाउन है। सुबह 10 बजे तक डाउनडिटेक्टर पर करीब 1,000 लोगों ने इसके ठप होने की शिकायत की है।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर बड़ी घोषणा

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन जारी है। आज आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को पेट्रोलियम, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि पर्यावरण सुधार का संदेश देते हुए इस वर्ष इस कार्यक्रम की थीम बेहतर पर्यावरण के लिए जैव ईंधन को बढ़ावा देना रखी गई है। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण दिवस पर अपने संबोधन में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग पर जोर दिया है और 2025 तक इथेनॉल के उपयोग को बढ़ाया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी भारत में 2020-2025 के दौरान इथेनॉल सम्मिश्रण से संबंधित रोडमैप के बारे में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट भी जारी की। कार्यक्रम के दौरान इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल में इथेनॉल की प्रतिशतता 20 फीसदी तक बढ़ाने पर अधिसूचना भी सरकार के द्वारा जारी की जा सकती है। साथ ही देश की सभी तेल कंपनियों के लिए 1 अप्रैल, 2023 से इस योजना को लागू करने के लिए गाइडलाइन भी जारी की जा सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 7-8 साल पहले भारत में एथेनॉल पर चर्चा दुर्लभ थी, लेकिन अब एथेनॉल भारत की 21वीं सदी की प्राथमिकताओं से जुड़ गया है। यह पर्यावरण के साथ-साथ किसानों के जीवन की भी मदद कर रहा है।उन्होंने कहा कि हमने 2025 तक पेट्रोल में 20 फीसद एथेनॉल ब्लेंडिंग को पूरा करने का संकल्प लिया है। 2014 तक औसतन सिर्फ 1-1.5 फीसदी एथेनॉल ब्लेंड किया जा रहा था और आज यह करीब 8.5 फीसदी पर पहुंच गया है।

MP Junior Doctors Strike

सीट छोड़ने पर हड़ताली जूनियर डॉक्टरों से वसूले जाएंगे दस लाख

भोपाल। जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के बीच प्रदेश सरकार ने एक नियम का हवाला देते हुए कहा है कि चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में निर्धारित समय सीमा के बाद सीट छोड़ने वालों को पूरी अवधि का शैक्षणिक शुल्क जमा करना होगा। यह राशि दस लाख से लेकर तीस लाख रुपये होगी। यह नियम वर्ष 2018 से प्रवेशित सभी विद्यार्थियों पर प्रभावशील है। इस नियम का हवाला देने को सरकार की सख्ती माना जाना जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े ने बताया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नीट से चयनित विद्यार्थियों को चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में शासन द्वारा मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा प्रवेश नियम-2018 एवं संशोधन 19 जून, 2019 के अनुसार प्रवेश दिया जाता है। इस नियम के तहत अभ्यर्थी द्वारा सीट छोड़ने पर बंधपत्र की शर्तें लागू होंगी। इसमें अभ्यर्थी को बंधपत्र की राशि 10 लाख रुपये (प्रवेश वर्ष 2018 एवं 2019)-30 लाख रुपये (प्रवेश वर्ष 2020) स्वशासी संस्था को देनी होगी। इसे संबंधित स्वशासी महाविद्यालय के खाते में जमा करना अनिवार्य होगा।

978 नर्सों की हुई नियुक्ति

विगत कई दिनों से जारी मध्यप्रदेश में जूडा की हड़ताल पर सरकार अब आरपार के मूड में है। सरकार ने इसके लिए नई भर्ती की भी तैयारी शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया कि कोरोना संक्रमण महामारी में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रदेश के समस्त चिकित्सालयों में 978 स्टाफ नर्सों की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्तियां लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन संचालित शासकीय नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्रों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं की ऑफलाइन काउंसलिंग कर दी गई है। चयनित स्टाफ नर्स को कोविड-19 प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण के लिए पदस्थापना स्थल पर ही ऑनलाइन माध्यम से आगे का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

टीका प्रमाण पत्र में मोदी की जगह लगेगी ममता की तस्वीर

नई दिल्ली। कोरोना का टीका लगाने के बाद कोविन एप के जरिए मिलने वाले सर्टिफिकेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोटो पर बवाल जारी है। लेकिन अब सर्टिफिकेट पर फोटो को लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार का कहना है कि तीसरे चरण के वैक्सीनेशन में 18-44 साल के लोगों को वैक्सीन लगने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के फोटो वाले सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। बता दें कि पहले से ही ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली टीएमसी और केंद्र सरकार के बीच कई मुद्दों को लेकर अनबन है और ये मुद्दा राज्य और केंद्र सरकार के बीच और दूरी बढ़ा सकता है। हालांकि इससे पहले टीएमसी खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो पर आपत्ति जता चुकी हैं और इसकी आलोचना कर चुकी हैं।

मध्य प्रदेश में अब बिल्डिंग और घर बनाने के लिए पेड़ लगाना अनिवार्य

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में अब बिल्डिंग परमिशन और घर बनाने के लिए पेड़ लगाना अनिवार्य रहेगा। यह नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत के साथ गांव में भी लागू रहेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान बनाने पर भी पेड़ लगाना अनिवार्य होगा। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य जहां बिल्डिंग परमिशन के लिए पेड़ लगाना अनिवार्य किया गया।

कामाख्या मंदिर में नहीं लगेगा अंबुबाची मेला

असम के लोकप्रिय कामाख्या मंदिर के प्रबंधन ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए एक बड़ा फैसला लिया है। कामाख्या मंदिर प्रबंधन का कहना है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर को देखते हुए इस साल भी अंबुबाची मेला का आयोजन नहीं किया जाएगा। ये मेला 22-26 जून को होना था लेकिन कोरोना के खतरे को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने मेला का आयोजन ना कराने का फैसला किया है।

साल के आखिर तक देश में आ जाएंगी चार और वैक्सीन

नई दिल्ली। भारत कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई-अगस्त तक दूसरी लहर पीक पर रहेगी। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग वक्त पर पीक आएगा इसी बीच तीसरी लहर आने की आशंका है। विशेषज्ञों का मानना है कि देश में नवंबर-दिसंबर में तीसरी लहर तबाही मचाएगी। इससे बचने के लिए वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल भी शुरू हो चुका है। इधर देश में साल के अंत तक 4 और वैक्सीन आने की संभावना है। कई वैक्सीन इस वक्त पाइपलाइन में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आधा दर्जन वैक्सीन बाजार में आ जाएंगी। देश में अभी तीन वैक्सीन उपलब्ध हैं, जिसमें दो मेड इन इंडिया कोविशील्ड और कोवैक्सीन है। वहीं रूस की स्पुतनिक वैक्सीन भी अब उपलब्ध है।

भारत को बड़ी राहत

कोवोवैक्स वैक्सीन पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोविशील्ड नाम से ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका वैक्सीन तैयार कर रही है, लेकिन इसके अलावा, यह प्रोटीन-आधारित कोविड -19 वैक्सीन कोवोवैक्स के नाम से भी उत्पादन कर रहा है। इस वैक्सीन को अमेरिकी बायोटेक्नोलॉजी कंपनी नोवोवैक्स ने विकसित किया है। सीरम इंस्टीट्यूट का कोवेक्स का उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है। उम्मीद है कि एसआईआई को भी यहां जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी।

नेजल वैक्सीन

कोवैक्सीन बनाने वाली भारत बायोटेक नेजल वैक्सीन तैयार कर रही है। यह वैक्सीन नाक के माध्यम से शरीर में जाएगी। टीका का पहला परीक्षण चल रहा है। यह इंट्रानैसल वैक्सीन की जगह है। यह एंटी बॉडी तैयार करने में काफी मददगार है।

HGC019

पुणे में स्थित जिनेवा बायोफार्मास्यूटिकल्स भारत का पहला mRNA Covid-19 वैक्सीन विकसित किया है, जिसे HGC019 कहा जाता है। वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल पिछले महीने से शुरू हो चुका है।

टीका लगवाने के दो साल बाद हो जाएगी मौत? सरकार ने किया खंडन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स के बीच तनातनी लगातार जारी है। इस विवाद को तब और हवा मिली, जब फेसबुक व इंस्टाग्राम ने सरकार की ओर से पोस्ट किए गए एक खंडन को हटा दिया। दरअसल, इस पोस्ट में उस दावे का खंडन किया गया था, जिसमें कोरोना का टीका लगवाने से मौत होने का जिक्र था। हालांकि, सरकार के विरोध के बाद दोनों ही प्लैटफॉर्म पर पोस्ट को बहाल कर दिया गया। सरकार के पीआईबी फैक्ट चेक हैंडल से 25 मई को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया गया था। इसमें उस दावे का खंडन किया गया था, जिसमें फ्रांस के नोबेल प्राइज विजेता ल्यूक मोंटेनियर ने कहा था कि कोरोना का टीका लगवाने वालों की दो साल में मौत हो जाएगी। इस पोस्ट में कथित दावे का स्क्रीनशॉट लगाया गया था। साथ ही, लिखा था, %फ्रांस के नोबेल प्राइज विजेता ल्यूक मोंटेनियर के हवाले से एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें दावा किया जा रहा है कि कोरोना का टीका लगवाने के दो साल बाद संबंधित व्यक्ति की मौत हो जाएगी। तस्वीर में किया गया दावा झूठा है। कोरोना की वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। इस संदेश को नजरअंदाज करें।

शुरू हुईं कई स्पेशल ट्रेनें रेलमंत्री ने ट्वीट कर बताया

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण के घटते मामलों को देखते हुए भारतीय रेलवे ने एक बार फिर ट्रेनों की आवाजाही बढ़ानी शुरू कर दी है, जिससे लोगों को हो रही असुविधा में कमी आए. बता दें कि कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण कई ट्रेनें रद कर दी गई थीं तो वहीं कई ट्रेनों का रूट बदल दिया गया था. अब गर्मियों में लोगों को घरों तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेलवे ने कई नई ट्रेनें शुरू की हैं, तो वहीं कुछ ट्रेनों को कैंसिल करने की घोषणा भी की गई है रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर ये जानकारी दी है कि आरक्षित ग्रीष्मकालीन ट्रेनें शुरू कर रहा है. खासकर, यूपी व बिहार के नागरिकों की सुविधा को देखते हुए।

2 महीने में आज कोरोना सबसे कम

नई दिल्ल। भारत में आज शनिवार को एक दिन में कोविड-19 के नए 1,20,529 मामले आए हैं। ये भारत में करीब दो महीनों में कोविड-19 के एक दिन में सबसे कम नए मामले आए हैं और इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले 2,86,94,879 पर पहुंच गए है. पिछले 24 घंटे में 3,380 लोगों की संक्रमण के कारण जान चली गई. वहीं, 3,380 नई मौतों के बाद भारत में कोरोना संक्रमण से कुल मृतकों की संख्या 3,44,082 पर पहुंच गई है केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, इस संक्रामक रोग से 3,380 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की कुल संख्या 3,44,082 हो गई है जबकि एक्टवि मरीजों की संख्या लगातार पांचवें दिन 20 लाख से कम रही. रोज आने वाले संक्रमण के नए मामले 58 दिनों में सबसे कम हैं।

भोपाल में दो दिन का कारोना कर्फ्यू

राजधानी शुक्रवार रात से ही 58 घंटे के लिए लॉक हो गई। इसके चलते शनिवार सुबह जरूरी सेवाओं को छोड़कर बाजारों में सब कुछ बंद रहा। हालांकि, गली-मोहल्लों में जरूर दुकानें खुली हुई नजर आईं। जिन्हें बंद कराने के लिए पुलिस एवं जिला प्रशासन की टीमें घूमती रही। दूध की दुकानों को सुबह छह से नौ बजे तक की छूट दी गई थी, पर वे काफी देर तक खुली रही।

पर्यावरण दिवस पर फिल्म फेस्टिवल का एलान

नई दिल्ली। आज दुनियाभर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। हर साल 5 जून के दिन दुनियाभर में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरुक करना है। इस खास मौके पर भारत का फिल्म प्रभाग दो दिवसीय ऑनलाइन फिल्म महोत्सव का आयोजन करेगा। इस फिल्म महोत्सव को 'ओएसिस ऑफ होप' नाम दिया गया है। इसमें 5 और 6 जून को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी फिल्मों को शामिल किया जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए फिल्म डिवीजन की ओर से ट्वीट किया गया है। इसके अलावा मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग (एमआईबी) की ओर से फिल्मों के बारे में जानकारी दी गई। इस फिल्म फेस्टिवल में कुल छह फिल्मों को दर्शाया जाएगा। महोत्सव में प्लास्टिक वर्ल्ड (सात मिनट), द जंगल मैन लोया (21 मिनट), लिविंग द नेचुरल वे (76 मिनट), सालुमराडा थिमक्का (43 मिनट), क्लाइमेट चेंज (14 मिनट), माय सन निओ (15 मिनट) जैसी फिल्में दिखाई जाएंगी। इन फिल्मों की स्ट्रीमिंग फिल्म डिवीजन की वेबसाइन और यूट्यूब चैनल पर होगी।

पर्यावरण विशेष देखें पेज 7 पर

टाईट पैंट पहनने के कारण महिला सांसद को नेशनल असेंबली से कर दिया बाहर

नई दिल्ली। बहुत सी जगह जहां हम खुद को स्वतंत्र और सुरक्षित महसूस करते हैं अगर उस जगह पर एक छोटी सी चीज को लेकर आपका अपमान कर दिया जाए या फिर आपको उस स्थान से चले जाने के लिए कह दिया जाए तो ये बड़े ही शर्म की बात है। कुछ ऐसा ही मामला तंजानिया की संसद का है। जहां सिर्फ एक टाइट ट्राउजर की वजह से महिला सांसद को नेशनल एसेंबली से बाहर कर दिया गया। जानकर तो आपको भी हैरानी हो रही होगी लेकिन यह एक सत्य घटना है। 31 साल की महिला सांसद कॉन्डेस्टर मिशेल जब मंगलवार को पूर्व अफ्रीकी देश तंजानिया की संसद पहुंची तो स्पीकर जॉब डुगाई ने सिर्फ इसलिए उन्हें संसद में बैठने नहीं दिया क्योंकि महिला सांसद ने टाईट ट्राउजर पहनी थी। स्पीकर ने आपत्ति जातते हुए कहा कि 'जाइए ठीक से कपड़े पहनकर आइए और उसके बाद संसद में आएं।' आपको बतादें कि स्पीकर डुगाई से पहले भी एक पुरूष सांसद हुसैन अमार ने भी कुछ ऐसी ही बात कही थी। उन्होंनें कहा था कि 'हमारी कुछ बहनें अजीबोगरीब कपड़े पहन रही हैं, ये समाज को क्या दिखाना चाहती हैं? उन्होंने कहा कि 'ड्रेस को लेकर कोड स्पष्ट है लेकिन यहां पर सांसद ऐसे ड्रेस पहन रही हैं जो 'शालीन' नहीं हैं। यह पूछे जाने कि अमार किसकी ओर इशारा कर रहे हैं, इस पर उन्होंने कोंडेस्टेर की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'यह सांसद मेरे दाहिने ओर हैं। जिन्होनें टी शर्ट पहन रखा है लेकिन प्लीज उन्हें सामने बुलाया जाए और यह देखा जाए कि उन्होंने कितनी टाइट पैंट पहन रखी है।

जबलपुर, कटनी, मंडला, सिवनी, नरसिंहपुर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

आधार कार्ड के नियम बदले

अब कागज पर नहीं पीवीसी पर बनेगा दूसरा आधार कार्ड

जबलपुर। आधार कार्ड दोबारा प्रिंट कराने पर सिर्फ पीवीसी कार्ड पर ही दिया जाएगा। अब आधार कार्ड का रिप्रिंट पेपर कार्ड पर नहीं किया जाएगा। पीवीसी आधार के लिये यूआईडीएआई की वेबसाइट पर ऑनलाइन अप्लाई किया जा सकता है। आपका आधार कार्ड नष्ट या गुम हो गया है तो आधार का नया नियम जरूर जान लें। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानि यूआईडीएआई ने कागज के आधार कार्ड सेवा को बंद कर दिया है। अब सिर्फ पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) आधार कार्ड ही दिया जाएगा। इसके लिये अलग से शुल्क देना होगा। यह बिल्कुल एटीएम की तरह होगा जो जेब और पर्स में आसानी से रखा जा सकेगा। दरअसल यूआईडीएआई ने बीते साल आधार कार्ड को स्मार्ट बनाते हुए इसे पीवीसी कार्ड पर प्रिंट कराने की सुविधा दी थी। ये कार्ड बिल्कुल एटीएम, पैन कार्ड और डीएल की तरह उसी साइज के होते हैं। अब तक यह वैकल्पिक था और इस सेवा को लेने के लिये निर्धारित शुल्क अदा करने होते थे पर अब यूआईडीएआई रिप्रिंट कराने पर पीवीसी आधार ही देगा। आप आधार की दूसरी कॉपी लेंगे तो यह पेपर आधार के बजाय पीवीसी आधार कार्ड ही दिया जाएगा।

बाहर से न कराएं प्रिंट

आधार कार्ड काफी पहले से बाजार में प्लास्टिक के कार्ड पर प्रिंट किये जा रहे हैं। पर इसमें न तो सुरक्षा फीचर होते हैं और न ही अक्सर ये ठीक से स्कैन हो पाते हैं। इसके क्यूआर कोड के स्कैन में दिक्कतें आती हैं। यूआईडीएआई हमेशा से इसे न कराने की सलाह देता रहा है। मार्केट में 80 से 100 रुपये में प्लास्टिक के कार्ड पर आधार कार्ड प्रिंट किये जते हैं। पर ये यूआईडीएआई के पीवीसी स्मार्ट आधार जैसे नहीं होते। इसमें न तो सुरक्षा फीचर होते हैं और न ही सही क्यूआर कोड ही प्रिंट हो पाता है।

सीधे घर पहुंचेगा स्मार्ट आधार

पीवीसी स्मार्ट आधार पाने के लिये आधार कीऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर वहां रिप्रिंट आधार का ऑप्शन चुनकर 50 रुपये शुल्क अदा करना होगा। इसके बाद आपका पीवीसी स्मार्ट आधार कार्ड स्पीड पोस्ट के जरिये आपके घर पहुंच जाएगा।

पीवीसी आधार की कीमत 50 रुपये

कागज के आधार के मुकाबले बेहद सुरक्षित और स्मार्ट पीवीसी आधार की कीमत यूआईडीएआई की ओर से बेहद कम रखी गई है। इसके लिये सिर्फ 50 रुपये खर्च करने होंगे। यूआईडीएआई की वेबसाइट पर जाकर वहां दी गई प्रक्रिया को पूरा करते हुए पीवीसी कार्ड के लिये अप्लाई किया जा सकता है।

नया आधार और अपडेट अभी भी कागज पर

अगर अब तक आधार कार्ड नहीं बना है और पहली बार आवेदन कर रहे हैं तो आपको पेपर आधार कार्ड ही मिलेगा। इसके अलावा किसी तरह का अपडेट कराने पर भी आधार पेपर के कार्ड पर ही मिलेगा। पर अगर आप आधार रिप्रिंट करा रहे हैं तो पेपर नहीं बल्कि पीवीसी आधार कार्ड दिया जाएगा।

अनलॉक में भी शादियों के लिए 20 लोगों की उपस्थिति

अब घर-आंगन में ही विवाह करा रहे लोग

जबलपुर,यशभारत। अब जबकि अनलॉक में भी शादियों के लिए 20 लोगों की उपस्थिति की अनुमति ही दी जा रही है तो शादियां होटलों-गार्डनों की बजाए घर-आंगन में ही करने पर लोग तैयार हो गए हैं। अब वे होटल-गार्डन संचालकों से बुकिंग का पैसा वापस मांग रहे हैं। संचालक उन्हें तत्काल पैसा देने को तैयार नहीं हैं।उनका कहना है कि हम पैसा लौटाने को तैयार हैं लेकिन तुरंत नहीं लौटा सकते। इसके लिए समय का इंतजार करना पड़ेगा। हमारा भी कारोबार बंद है। जो बुकिंग का पैसा आया था वह मेंटेनेंस, कर्मचारी आदि पर खर्च हो गया है। ऐसे में तुरंत पैसा नहीं दे सकते। पैसा लौटाने से हमारा इंकार नहीं है। होटल-गार्डन संचालकों से बुकिंग की राशि वापस लेने के लिए ग्राहक लगातार संपर्क कर रहे हैं। शहर में करीब करीब दो दर्जन से ज्यादा होटल हैं जिनमें विवाह समारोह की व्यवस्था है। यही स्थिति गार्डन की है। अनलॉक की गाइड लाइन में केवल 20 लोगों की उपस्थिति में शादी की पाबंदी लगा दी गई है। इस स्थिति में डेस्टिनेशन मैरिज की बुकिंग भी निरस्त होने लगी है। 4 व 5 जून को इस तरह की शादियों की बुकिंग थी। पर पाबंदी के चलते उन्होंने बुकिंग निरस्त कर दी है।

शादी-ब्याह से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि यदि इसी तरह शादियों पर प्रतिबंध रहा तो डेस्टिनेशन मैरिज बन रहे शहर से यह व्यवसाय भी छिन जाएगा।

शादियों के जून-जुलाई में कम मुहूर्त, नवंबर में शुरुआत

जून और जुलाई में शादियों के कम मुहूर्त ही हैं। पहला मुहूर्त 5 जून को है। इस दिन की शादियों की बुकिंग 20 लोगों की पाबंदी के कारण कैंसिल हो रही हैं। इसके बाद जून में 18, 19, 20, 21, 22, 23 जून को भी शादियों के मुहूर्त हैं। इसके बाद जुलाई में 1, 2, 3, 7 जुलाई को शादियां होंगी। पंडितों के अनुसार इसके बाद शादियां नवंबर में होंगी। जून-जुलाई में केवल 11 मुहूर्त शादियों के होने से बहुत कम शादियां निकल रही हैं। जिन्हें इस सीजन में शादी करना ही है वे अब होटल गार्डन की बजाए घरों पर शादियां रचाना चाहते हैं। क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि 20 लोगों की पाबंदी के बीच होटल या गार्डन की जरूरत है। शादी बाजार के व्यापारियों का कहना है कि शादियों की खरीदी को लेकर सन्नाटा ही है ×

निजी स्कूलों में अनाथ बच्चों को मिलेगा नि:शुल्क प्रवेश

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना के तहत राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए आदेश

जबलपुर। कोरोना संक्रमण के बीच अनाथ बच्चों को शिक्षा के अधिकार के तहत नि:शुल्क प्रवेश की आर्हता होगी। राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से इस संबंध में आदेश जारी हुआ है। जिसमें मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना को मंजूरी दी गई है। ये योजना शिक्षा के अधिकार के तहत सत्र 2021-22 के लिए है। इसमें कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की भांति ही कोरोना में अनाथ बच्चों को भी लाभ दिया जाएगा।

पोर्टल पर करना होगा आवेदन

योजना के तहत आवेदन करने के लिए अलग से पोर्टल बनाया गया है। इसमें आने वाले आवेदन को कलेक्टर की अध्यक्षता में बनी कमेटी द्वारा सत्यापन किया जाएगा। इनमें निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए गरीब बच्चों को जिस तरह आवेदन करना होता है ठीक उसी तरह ही इस योजना के हितग्राही बच्चों को आवेदन देना होगा। जिला कलेक्टर की समिति के सचिव द्वारा जारी पात्रता प्रमाण पत्र के पश्चात ही प्रवेश दिया जाएगा।

कलामे खुसरो की शानदार प्रस्तुति

जबलपुर,। महान शायर महाकवि अमीर खुसरो की स्मृति में आयोजित जश्ने खुसरो में कलामे खुसरो की शानदार प्रस्तुति सुनकर सामाईन झूम उठे। गायक बासित अली कादरी, कादिर अली कादिरी ने सूफियाना अंदाज में कलामे खुसरो छाप तिलक सब छीनी तोसे नैना मिलाके की पेशकश की। गौरतलब है कि सात सौ सालों से दरगाहों में सूफियाना कव्वाली में कलामे खुसरो की परंपरा कायम है। मदन महल दरगाह में सज्जादानशीन मुबारक अली कादरी की सरपरस्ती में निजाम अली कादरी, इनायत अली कादरी ने सूफी हजरात की दस्तारबंदी फारमाई। मशहूर उर्दू लेखक फीरोज कमाल ने आभासी तकनीक के माध्यम से अमीर खुसरो के जीवन-दर्शन पर रोशनी डाली। मगरिब की नमाज के पूर्व नज्रो न्याज व सलातो सलाम के साथ जश्ने खुसरो का समापन हुआ।

घने बादल,उमड़ घुमड़ ,तेज बारिश

जबलपुर,यशभारत। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल में आमद दर्ज करा दी है और तेजी से कर्नाटक महाराष्ट्र ,गोवा और आंध्र प्रदेश में सक्रिय हो रहा है। जिससे अब मप्र समेत जबलपुर में इसके 15 जून तक सक्रिय होने की संभावना है। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि यह 23 जून तक मानूसन आएगा। मौसम विभाग के स्थानीय कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जबलपुर में फिलहाल प्री मानसून की गतिविधियां जारी है। अरब सागर से नमी आ रही है और दक्षिणी भाग में बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है। इसके चलते शनिवार को हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। आज पूर्वान्ह में उमड़ घुमड़ के साथ बारिश हुई। समाचार लिखे जाने तक घने काले बादल छाए हुए हैं और जोरदार बारिश के आसार हैं। प्रीमानसून की पहली बारिश से शहर तरबतर हो गया है। बच्चों ने पहली झड़ी का भरपूर आनंद लिया। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार पांच दिन तक तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश के आसार हैं। शाम तक तेज बारिश के आसार है। साथ ही कुछ क्षेत्रों में गरज चमक के साथ छींटे भी पड़ेंगे। कुछ क्षेत्रों में अंधड़ चलने व वज्रपात की भी संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया । जबकि आज का न्यूनतम तापमान 25 डिसे था। वर्तमान में अफगानिस्तान और उससे लगे पाकिस्तान पर एक

शाम तक हो सकती है झमाझम

पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका लाइन (ट्रफ) के रूप में सक्रिय है। छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग पर एक ट्रफ बना हुआ है। अरब सागर में कोंकण पर भी एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। केरल से कर्नाटक तक एक ट्रफ बना हुआ है। इन चार वेदर सिस्टम के कारण नमी मिल रही है। बादलों ने भी आमसान पर डेरा डाल दिया है जो बरसने को बेताब दिख रहे हैं। फिलहाल जो समीकरण बन रहे हैं उसे देखते हुए शनिवार को जबलपुर सहित आस-पास के जिलों में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। वैसे भी 15 जून से सितंबर तक मानसूनी सीजन कहलाता है। जबलपुर में 15 जून से बारिश शुरु हो जाती है। इस बार भी मानूसन समय पर इसके दस्तक देने की संभावना है। इसके बाद 20 मई से झमाझम बारिश के होगी।

फोटो: अशोक बर्मन

7 जून तक बस संचालकों को करना होगा इंतजार

लाखों का नुकसान, 25 सौ हो गए बेरोजगार

जबलपुर। जबलपुर से अंतर्राज्जीय परिवहन सेवा के लिये बस आपरेटरों को अभी एक सप्ताह और इंतजार करना होगा। जबलपुर से 4 राजें के लिए बस सेवा अब 7 जून तक बंद ही रहेंगी। प्रदेश में कोरोना केस को देखते हुए परिवहन विभाग ने यह कदम उठाया है। इससे पहले इन पर 31 मई तक रोक थी। अब मध्यप्रदेश में 7 जून से बसों के अनलाक में यात्रियों और बस संचालकों को काफी राहत मिल सकती है। रोजाना हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। बस ट्रांसपोर्टर से जुड़े करीब ढाई हजार से ज्यादा परिवारों पर रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जबलपुर संभाग से चार राज्यों के लिए इंटर स्टेट बसों का परिवहन प्रतिबंधित है, उसके फिर शुरू होने की उम्मीद है। 1 जून से अनलाक को लेकर जारी की गई गाइडलाइन में कुछ बस संचालकों को उम्मीद थी, लेकिन अब 7 तारीख तक इंतजार करना होगा। मार्च अंत में मध्यप्रदेश से महाराष्ट्र के बीच बसों के संचालन पर रोक लगाने के आदेश जारी किए थे। साथ ही महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ के मार्गों की बसों पर भी लागू कर दिया था। 8 मई को शासन ने आदेश जारी करते हुए कहा था कि इन चार राज्यों के बीच बसों का संचालन 15 मई तक बंद रहेगा। लेकिन इस आदेश को कई बार आगे बढ़ाते हुए 31 मई तक रोक की बात कही गई है।

बस संचालकों को नुकसान

बस आपरेटर्स का कहना है कि रोजाना 1 लाख प्रति बस का नुकसान हो रहा है। हर बस पर दो ड्राइवर और एक कंडक्टर होते हैं। लगभग ढाई हजार से अधिक परिवार इससे प्रभावित हो रहे हैं और वह भुखमरी की कगार पर है। पिछले वर्ष भी लाकडाउन में करोड़ों का नुकसान हो गया था। यदि 500 बसें मध्य प्रदेश के अन्य प्रदेशों में संचालित की जा रही तो इसका आंकलन आप स्वयं लगा सकते है। आल इंडिया टूरिस्ट परमीट बस आनर्स एसोसिएशन ने बताया कि जबलपुर से तीन राज्यों के लिए रोजाना 500 से 600 बसों का संचालन होता है। सबसे ज्यादा बसें महाराष्ट्र नागपुर के लिए चलती है। बसों का संचालन बंद होने से यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि ज्यादातर ट्रेनें और उड़ानें भी निरस्त है। वहीं बस संचालकों को भी बसें बंद होने से नुकसान का सामना करना पड़ है।

नहीं थम रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

जबलपुर। कोरोना वायरस के कारण जहां देश-प्रदेश के साथ ही जबलपुर की आर्थिक गतिविधियां करीब 45 दिन से थमी हुई थी। कोरोना कर्फ्यू के कारण शहर लॉक था। फिर भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें बेकाबू रहीं। जबलपुर में जिस दिन से कोरोना कर्फ्यू प्रभावी किया गया था, तब पेट्रोल 98.98 व डीजल 89.15 रुपये प्रति लीटर था। लाकडाउन के इन 45 दिनों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 5 रुपये (क्रमश- 4.27 व 4.98) का इजाफा हो गया है। साल 2021 के 5 महीनों में अब तक 11.11 व डीजल 12.21 रुपये महंगा हो गया है। शनिवार को पेट्रोल 102.98 व डीजल 94.38 रुपये प्रति लीटर है।

पेट्रोल महंगा होने के कारण जहां कार व दोपहिया वाहन चालकों को खासी मुश्किल होना शुरू हो गई है। वहीं कमर्शियल वाहन संचालकों को भी खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छोटी लोडिंग चलाने वालों ने माल भाड़ा बढ़ा दिया है। ऐसे में गेंहू, चावल, दाल आदि राशन सामग्री की ढुलाई महंगी हो गई। हालांकि बड़े ट्रांसपोटर्स ने अभी माल भाड़ा नहीं बढ़ाया है। कोरोना कर्फ्यू के कारण जहां तमाम आर्थिक गतिविधियां बंद थीं। ऐसे में ट्रांसपोर्टरों को भाड़ा नहीं मिल पा रहा था। वहीं डीजल की बढ़ती कीमतों ने ट्रांसपोर्टरों का दम ही निकालना शुरू कर दिया है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के कारण माल भाड़ा (किराया) बढ़ाया नहीं गया है। जबकि ट्रांसपोर्ट का खर्चा काफी बढ़ गया है।

कर्मचारी संघों की हड़ताल समाप्त

निगम प्रशासन द्वारा संघों की सभी मॉगों को की गई मंजूर

जबलपुर। तकनीकी अधिकारी कर्मचारी संघ, मध्यप्रदेश नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ संभाग जबलपुर, अजाक्स, एवं मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस संगठन, के द्वारा आज मुख्यत: अधिकारी कर्मचारी के हितों से संबंधित 8 बिन्दुओं की मॉग मंजूर कराने के संबंध में आज हड़ताल की गई थी। हड़ताल को संज्ञान में लेकर निगमायुक्त श्री संदीप जी आर ने कर्मचारी संघों के प्रतिनिधियों से जिसमें तकनीकी अधिकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी श्री राम दुबे,कपिल दुबे ,राकेश समुद्रे आदि से चर्चा की। इस दौरान निगमायुक्त जी आर ने अपर आयुक्त टी एस कुमरे और महेश कुमार कोरी से विमर्श कर कर्मचारी संघों की सभी मांगों को मंजूर कर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिससे संघों के पदाधिकारियों ने संतोष व्यक्त करते हुए निगम एवं जनहित में सहयोग करते हुए हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। कर्मचारी संघों की जो मॉगे मंजूर की गई है प्रमुख रूप से बिन्दुबार जानकारी निम्नानुसार है :- सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी लाभों का भुगतान किया जा रहा है।

प्रति माह सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के भुगतान नियमित रूप से किये जायेगें। जिन अधिकारियों कर्मचारियों की जॉच लंबित हैं शीघ्र जॉच की कार्यवाही पूर्ण करते हुए नियमानुसार समस्त लाभों का भुगतान किया जायेगा। समयमान वेतनमान के एरियर्स का भुगतान भी किया जायेगा। सर्वे कार्य 1 माह बाद प्रारंभ कराया जाएगा।

रांझी में मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,रादुविवि में स्पोर्ट्स परिसर का होगा निर्माण

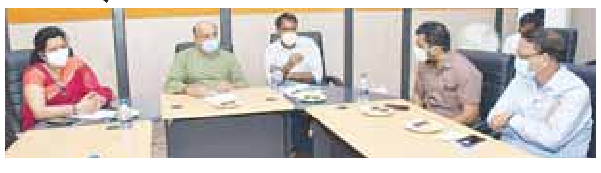

जबलपुर। कैंट क्षेत्र के विकास के लिए गुरूवार का दिन ऐतिहासिक सिद्ध हुआ, शहर एवं क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा सक्रिय रहने वाले विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी की पहल पर कैंट क्षेत्र के उपनगरीय क्षेत्र रांझी और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में सर्व सुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण की स्वीकृति मिली। स्मार्ट सिटी कार्यालय में आयोजित बैठक में उपनगरीय क्षेत्र रांझी में इनडोर स्टेडियम के समीप मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण करीब साढ़े 11 करोड़ की लागत से कराया जाएगा जबकि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के निर्माण में साढ़े 4 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। रांझी में बनने वाले मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण स्मार्ट सिटी, खेल विभाग एवं पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा संयुक्त रूप से कराया जाएगा। बैठक में विधायक श्री अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने बताया कि दोनों ही स्थानों पर प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में जॉगिंग ट्रैक, पार्क, बैडमिंटन कोर्ट वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, फुटबाल एथलेटिक्स ट्रैक सहित फूटसाल औरअन्य खेल विधाओं के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी उन्होंने बताया कि खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उन्होंने दोनों ही स्थानों पर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के निर्माण की परिकल्पना की थी, जिसे स्मार्ट सिटी, खेल विभाग एवं पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के द्वारा मिलकर साकार रूप प्रदान किया जा रहा है। विधायक श्री रोहाणी ने बताया कि जून माह में ही दोनों ही प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण की आधारशिला भी रखी जाएगी। बैठक में स्मार्ट सिटी के कार्यपालिक निदेशक संदीप जी आर, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती निधि सिंह राजपूत,पूर्व पार्षद रिषि यादव, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के रजिस्टार दीपेश मिश्रा, वित्त नियंत्रक एवं नगर निगम के पूर्व अपर आयुक्त रोहित सिंह कौशल,खेल अधिकारी विशाल बन्ने, कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, शिवेंद्र सिंह पदाधिकारी दामोदर सोनी के अलावा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन और खेल विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

कई टॉपर डिप्रेशन में

12वीं बोर्ड :परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को मिली राहत

जबलपुर। महामारी के कारण बिगड़े परीक्षाओं के कार्यक्रम के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी परेशान है। हालांकि 12वीं की परीक्षा नहीं लिए जाने के निर्णय के बाद विद्यार्थियों को काफी राहत मिली है। विद्यार्थियों और माता-पिता ने इस निर्णय का स्वागत किया है। इसमें सबसे ज्यादा राहत उन विद्यार्थियों को मिली है जो लंबे समय से ज्वाइंट एंट्रेंस एक्जामिनेशन (जेईई) और नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की तैयारी कर रहे हैं। उधर उन बच्चों के मन में कई तरह के सवाल खड़े होने लगे जिन्होंने अपना नाम मैरिट लिस्ट में शामिल करने के लिए सालभर पढ़ाई किया है और टॉप कॉलेज में एडमीशन का सपना देखा है। शासन के निर्णय के बाद टॉपर विद्यार्थी डिप्रेशन में चले गए है। गौरबलत है कि शासन के इस आदेश के बाद जिले के वह बच्चे डिप्रेशन में

चले गए है जो मेरिट लिस्ट में आने के लिए सालभर पढ़ाई कर रहे थे। जानकारी के अनुसार हर साल 5 से 7 फीसदी बच्चे मेरिट लिस्ट में नाम दर्ज करने दिन-रात पढ़ाई करते है। इस साल रेगुलर व प्राइवेट के कुल 22 हजार विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले थे। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा के साथ 12वीं की बोर्ड परीक्षा की भी तैयारी करनी पड़ रही थी। इस बार महामारी के कारण जेईई मेन और 12वीं की परीक्षा का शेड्यूल भी बिगड़ गया था इसलिए विद्यार्थी चिंता कर रहे थे कि पहले कौन सी परीक्षा होगी। इससे पढ़ाई करने की सही प्लानिंग नहीं हो पा रही थी। विद्यार्थी राहुल चौहान का कहना है कि अगर जेईई मेन की परीक्षाएं पहले हो जाती तो 12वीं की परीक्षा से इतना डर नहीं लगता लेकिन इस बार यह डर था कि कहीं दोनों परीक्षा कुछ दिन के अंतराल में न हो जाए। इससे दोनों की पढ़ाई साथ में करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। परीक्षा की तैयारी कराने वाले विशेषज्ञ का कहना है कि विद्यार्थियों के सामने अब भी कई सवाल बने हुए है। इसमें जेईई मेन होगी या नहीं। इसे बारे में स्पष्ट जवाब नहीं मिल पा रहा है। जेईई मेन के बाद जेईई एडवांस भी होती है इसे लेकर भी उलझन बनी हुई है। नीट की परीक्षाएं भी लेट होंगी। इन सब बातों के कारण विद्यार्थी पढ़ाई में मन नहीं लगा पा रहे हैं। हालांकि अब उम्मीद जताई जा रही है कि कुछ दिनों में परीक्षाओं की नई तारीखों का ऐलान हो जाएगा। कई विद्यार्थियों की जेईई एडवांस की तैयारी भी पूर्ण होने वाली है। इस साल से जेईई मेन चार बार कराने का निर्णय लिया गया था। इसमें से दो बार की परीक्षा हो चुकी है और शहर के कई विद्यार्थियों को इसमें 99 पर्सेंटाइल से ज्यादा अंक प्राप्त हुए है। ऐसे में कई विद्यार्थियों ने आइआइटी में प्रवेश लेने की इच्छा से जेईई एडवांस परीक्षा की भी तैयारी शुरू कर दी थी। कई विद्यार्थियों की एडवांस की तैयारी हो चुकी है। अब उनका कहना है कि परीक्षा लेट होने से उनके उत्साह में कमी आती है। बार-बार रिविजन करना होता है। इससे कई बार बोर हो जाते हैं और पढ़ाई में ध्यान कम लगता है। विद्यार्थियों की मांग है कि जल्द ही जेईई और नीट की परीक्षाएं भी करा लेना चाहिए।

जूडा की हड़ताल से मेडिकल में रूटीन ऑपरेशन टले

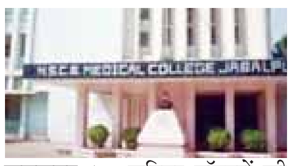

जबलपुर । जूनियर डॉक्टरों की बेमियादी हड़ताल से मेडिकल में रूटीन ऑपरेशन टाल दिए गए हैं। वहीं ओपीडी में भी मरीजों की कमी होने लगी है। भर्ती मरीजों की परेशानी बढ़ने लगी है। वरिष्ठ चिकित्सकों का कहना है कि हड़ताल जल्द खत्म न हुई तो मरीजों को संकट का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष से लेकर मेडिकल के वार्डों में जूनियर डॉक्टर 24 घंटे ड्यूटी करते हैं। एक जून से शुरू हड़ताल का आज पाचवा दिन है। यह हालात हो गए हैं कि रूटीन ऑपरेशन टालने पड़ रहे। वरिष्ठ चिकित्सक वार्ड में रहकर सेवाएं देने से परहेज कर रहे हैं जिससे मरीजों की जान खतरे में पड़ सकती है। रक्त के अभाव में किसी मरीज को गंभीर जोखिम का सामना न करना पड़े इसके लिए जूनियर डॉक्टरों ने शुक्रवार को रक्तदान किया। 25 जूनियर डॉक्टरों ने रक्तदान करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव पीड़ितों की सेवा के लिए कार्य किया है। मेडिकल में भर्ती मरीजों को रक्त की कमी न होने पाए इसलिए उन्होंने रक्तदान किया। मरीजों की सेवा व सहायता के लिए वे निरंतर कार्य करते रहेंगे। जूडा एसोसिएशन के डॉ. शुभांशु शर्मा ने कहा कि आवश्यक होने पर एसोसिएशन द्वारा आगे भी रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज की सीट छोड़ने पर सम्पूर्ण अवधि का शैक्षणिक शुल्क जमा करना होगा

जूडा की हड़ताल को लेकर अब सरकार एक्शन के मूड में आ गई है। पहले कई छात्रों को बर्खास्त किया गया, उसके बाद अब नई चेतावनी दी गई है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े ने बताया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नीट से चयनित विद्यार्थियों को चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए शासन द्वारा मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा प्रवेश नियम-2018 एवं संशोधन 19 जून, 2019 के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। उपरोक्त नियम की कण्डिका-15 (1) (ख) के अनुसार निर्धारित समय-सीमा के बाद अभ्यर्थी के द्वारा त्याग-पत्र दिए जाने की दशा में उस पर सीट छो?ने संबंधी बंधपत्र की शर्तें लागू होंगी। इसके अधीन शासकीय चिकित्सा एवं शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय की प्रवेशित सीट से त्याग-पत्र देने पर अभ्यर्थी द्वारा बंधपत्र की राशि 10 लाख रुपए (प्रवेश वर्ष 2018 एवं 2019)/30 लाख रुपए (प्रवेश वर्ष 2020) स्वशासी संस्था को देय होगी। निजी चिकित्सा एवं निजी दंत चिकित्सा महाविद्यालय की प्रवेशित सीट से त्याग-पत्र देने पर संबंधित निजी संस्था में संचालित पाठ्यक्रम में सम्पूर्ण अवधि का शैक्षणिक शुल्क शासन को देय होगा।

जबलपुर में कोरोना नियंत्रण के प्रयासों को मुख्यमंत्री ने भी सराहा

जबलपुर। जिले में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण को लेकर किए जा रहे प्रयासों की मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी सराहना की है। शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कोरोना की समीक्षा करते हुए जबलपुर जिले में लाकडाउन के बाद की स्थिति का जायजा लिया।

कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों से की चर्चा, नागरिकों को कवेंस करने पर दिया जोर

इस दौरान कोरोना डेटा का विश्लेषण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा की जबलपुर कोविड नियंत्रण के लिए अच्छा प्रयास कर रहा है और संक्रमण न फैले इसके लिए शासन प्रशासन लगा हुआ है। लोगों की जिंदगी बचाना ज्यादा जरूरी है। इसलिए अनलाक की स्थिति में दुकान खुलने के संबंध में कन्वेंस कर बताना है। बेहतर है कि उनसे बात करें। उन्होंने कहा कि लोगों के कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग होती रहे और संक्रमण रोकने का व्यवहार भी होता रहे।

विश्नोई बोले- कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग पर ध्यान देने की आवश्यकता- वीसी में मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर जिले में कोरोना की वर्तमान स्थितियों के बारे में जानकारी ली। पूर्व मंत्री व पाटन विधायक अजय विश्नोई ने बताया कि संक्रमण रोकने के लिए कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग पर ध्यान देने की आवश्यकता है। लाकडाउन व किल कोरोना के कारण स्थितियां कंट्रोल में है और अब कोई भी भूल चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि व्यापारियों में कुछ नाराजगी थी पर उन्हें विश्वास में लेने से स्थितियां संतोषजनक हो गई हैं। अगले हफ्ते 10 दिन में स्थिति और बेहतर होगी। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि अब स्थितियां उतनी तनावपूर्ण नहीं है, पर सावधानी की जरूरत है। वही विधायक सुशील इंदु तिवारी ने कहा कि दो-तीन दिन में बहुत बदलाव आया है मोबाइल वैन व पुलिस की वैन लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर जागरूक कर रहे हैं। व्यापारी भी संक्रमण नियंत्रण की दिशा में जागरूक हो रहे हैं।

लक्ष्य से ज्यादा सैंपलिंग की जा रही है

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने बताया कि वर्तमान में जिले में कोरोना टेस्ट हेतु लक्ष्य से ज्यादा का सैंपलिंग की जा रही है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाया जा रहा है। साथ ही कंटेनमेंट क्षेत्र में आरटीपीसीआर टेस्ट भी किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने शासकीय एवं निजी अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता की जानकारी भी दी और बताया कि अभी मेडीकल कॉलेज में जिले के मात्र 73 कोविड पेशेंट उपचाररत हैं। कलेक्टर ने कहा कि अनलाक की प्रक्रिया के तहत एक जून से प्रतिबंधित गतिविधियों को छो?कर बाजारों को खोलने की अनुमति दी गई है। दुकानदारों को गाइडलाइन का पालन करने की समझाइश दी जा रही है तथा जो गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहे हैं उनकी दुकानों को सील भी किया जा रहा है। बैठक में संभागायुक्त कार्यालय में संभागायुक्त बी चंद्रशेखर, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तीसरी लहर से निपटनें की जा रही तैयारियों की समीक्षा

जबलपुर। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर कोरोना की संभावित तीसरी लहर से निपटने जिला अस्पताल में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की । श्री शर्मा ने जिला अस्पताल के मीटिंग हॉल में आयोजित इस बैठक में कहा कि कोरोना की तीसरी लहर आने की संभावनाओं के मद्देनजर समय रहते सभी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित करने होंगे। उन्होंने तीसरी लहर का सर्वाधिक प्रभाव बच्चों पर पड़ने की आशंका को देखते हुये जिला अस्पताल में बच्चों के आईसीयू एवं ऑक्सीजन बेड तथा मास्क, वेंटिलेटर, बाय पेप मशीन आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिये । बैठक में बताया गया कि जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में हाय डिपेंडेंसी यूनिट का निर्माण किया जा रहा है। जिसके तहत ऑक्सीजन के 20 पलंग तैयार कर लिए गए हैं। जबकि 15 ऑक्सीजन बेड एनआरसी में बनाए जा रहे हैं एवं ऑक्सीजन की पाइप लाइन लगाई जा रही है।

शादी का झांसा देकर किशोरी को भगा कर ले गया था रीवा

जबलपुर यश भारत । मझौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव की किशोरी को एक 30 वर्षीय युवक ने अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर रीवा में अपने जीजा के यहां ले गए । जब जीजा को इसका पता चला कि वह किशोरी को भगा कर लाया है तो उसने फटकार लगाते हुए घर के बाहर कर दिया । वहां से भागकर बस में सवार होकर दोनों स्लीमनाबाद पहुंचे जहां से किशोरी किसी प्रकार से उससे पीछा छुड़ाकर अपने घर पहुंची इसके बाद आरोपी को आज सुबह पुलिस ने उस समय दबोच लिया जव बाइक से फर्राटे भर कर कटाव की ओर भाग रहा था । उक्त कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर थाना प्रभारी प्रभात शुक्ला के मार्गदर्शन पर उप निरीक्षक गोविंद तिवारी पुष्पा बरकडे अमित पटेल रामानंद तिवारी एवं सुमित सिह द्वारा की गई। मझौली पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक ग्राम की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी का पनागर थाना क्षेत्र के विसैदी ग्राम के 30 वर्षीय महेंद्र केवट पिता सुकई केवट का से काफी समय से प्रेम संबंध चल रहा था । विगत 30 मई को योजना के अनुसार किशोरी को बहला-फुसलाकर बाइक में भगाकर ले गया इधर जब किशोरी शाम तक अपने घर नहीं पहुंची थी परिजनों को चिंता हुई और उसकी तलाश शुरू की गई। जब उसका कहीं भी कोई सुराग हाथ नहीं लगा तो घटना की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई पुलिस ने रिपोर्ट पर किशोरी की तलाश शुरू की । पुलिस के अनुसार युवक किशोरी को पहले से स्लीमनाबाद ले गया जहां पर कहीं पर उसने अपनी बाइक रखी हो वहां से दोनों में बस में सवार होकर रीवा अपने जीजा के घर पहुंचा तो जीजा ने जब उससे पूछताछ की तो उसको पता चला कि वह किशोरी को भगा कर लाया है यह जानकारी लगते ही जीजा ने तत्काल उसे अपने घर से बाहर निकाल कर वहां से दोनों को भगा दिया जहां से वह वापस स्लीमनाबाद पहुंचे वहां से किशोरी ने अपना पीछा छुड़ाते हुए किसी तरह से भाग कर अपने घर पहुंची और परिजनों को इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया बाद आज सुबह आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके बाद अग्रिम कार्रवाई की गई।

ओरिएंटल में टीकाकरण

जबलपुर। ओरिएंटल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स जबलपुर में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कोविड -19 से सुरक्षा लिए कोवैक्सिन का टीकाकरण कार्यक्रम जारी है। टीका लगवाने में सभी युवाओं ने अपना बढ़िया उत्साह दिखाया। टीका लगवाने वालों में संस्था की ओर से डॉ. अभय घोड़के ,प्रो. अरुण उर्मलिया, प्रो. ब्रजमोहन मिश्रा आदि रहे एवं नजदीकी क्षेत्र व् शहर के अधिकतर लोगों ने टीका लगवाया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सुषमा गोंदुड़े और वैशाली धोटे ने अपनी सेवाएं प्रदान की। टीकाकरण कार्यक्रम में प्रो. अनुपम राव, प्रो. मिलन चौबे ,प्रो.रवि गुप्ता,प्रो. पी.सी. अग्रवाल , प्रो. नितिन श्रीवास्तव ,प्रो. मयंक विश्वकर्मा, श्री राजेंद्र शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।संस्था के डायरेक्टर इंजी. तरुण कुमार आनंद ने अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर टीका लगवाने के लिए विशेष अपील की। संस्था की प्राचार्या डॉ. मुक्ता भटेले ने ओरिएंटल कॉलेज जबलपुर में टीकाकरण शिविर आयोजित कराने के लिए कोविड टीकाकरण के जिला प्रभारी एस. एस. दाहिया का आभार व्यक्त किया है।

भविष्य निधि की राशि सहित अतिरिक्त राशि बच्चों को सौंपी जाएगी

कन्हैया नायडू का निधन

जबलपुर। शुभ मोटर्स में कार्यरत कन्हैया नायडू के दुखद निधन पर शुभ मोटर्स संस्थान द्वारा श्री नायडू की भविष्य निधि की राशि सहित अतिरिक्त राशि श्री नायडू के बच्चों श्रीनिवास नायडू व तोशीमा को सौंपी जाएगी। साथ ही संस्थान द्वारा विभिन्न स्तरों पर परिवार की मदद करने का आश्वासन दिया गया। शुभ मोटर्स परिवार ने विधायक अशोक ईश्वर दास रोहाणी का आभार व्यक्त किया है। श्री रोहाणी के प्रयासों से नायडू के परिवार को प्रतिमाह 5000 रुपये प्राप्त होंगे, जो इस संकट की घड़ी में बहुत सहारा देंगे।

कर्मचारियों का टीकाकरण किया गया

जबलपुर। शहर के प्रतिष्ठित संस्थान शुभ मोटर्स प्रबंधन द्वारा अपने कर्मचारियों को कोरोना से बचाने के लिए वैक्सीनेशन कराया गया। पूर्वान्ह 11 बजे शुभ मोटर्स परिसर में शिविर लगाकर सभी कर्मचारियों को नि:शुल्क वैक्सीन का पहला डोज प्रदान किया गया। इस मौके पर शुभ मोटर्स के सभी कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर शुभ मोटर्स के रत्नेश तिवारी, अर्पित सिंह ठाकुर,दीपक शुक्ला, राहुल मिश्रा, जेके पाठक,आशीष अग्रवाल एवं शुशांत नायडू सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की उपस्थिति रही। भविष्य में टीकाकरण के अन्य कैम्प भी आयोजित किये जायेंगे।

वर्चुअल नेशनल वूशु स्पर्धा में 19 पदक जीतकर म.प्र. चैंपियन

जबलपुर। वूशु असोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान व चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सहयोग से विगत तीस मई से चार जून तक आयोजित ट्रेडिशनल नेशनल वूशु स्पर्द्धा में मध्यप्रदेश वूशु दल ने 5 स्वर्ण 4 रजत व 10 कांस्य पदक जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, दूसरे स्थान पर कर्नाटक व तीसरे स्थान पर असम की टीम रही। मध्यप्रदेश वूशु दल का प्रतिनिधित्व करते हुए जबलपुर की कृष्णिका गुप्ता, दिव्यांश मनोज गुप्ता , श्रद्धा यादव, साक्षी जाटव, शौर्य गौतम, गर्व घनघोरिया, वीर घनघोरिया, वीर सिंह राजपूत आशुतोष सोनी, अभिषेक ठाकुर, शुभमणि पांडे, वंशिका नामदेव , भूमिया कुशवाहा , प्रियांशी चौहान आदि ने सम्पूर्ण भारत के प्रतिभागियों को हराते हुए पांच स्वर्ण , चार रजत व दस कांस्य पदक सहित कुल 19 पदक हासिल किया । जबलपुर संभाग के पुलिस महानिरीक्षक भगवत सिंह चौहान व सीईओ सुहेल अहमद ने कल वर्चुअल उपस्थित होकर विजेताओं को सम्मानित किया स्पर्द्धा के चीफ रेफरी मनोज गुप्ता द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया व विश्वामित्र अवार्डी सारिका मनोज गुप्ता द्वारा आभार व्यक्त किया गया ।इस नेशनल स्पर्द्धा में 22 राज्यों के 387 खिलाड़ियो ने हिस्सा लिया था, इस स्पर्द्धा में से चयनित श्रेष्ठ छः खिलाडी वर्चुअल एशियन वूशु स्पर्धा में हिस्सा लेंगे।

विद्युतीकरण में भारतीय रेल में पहला जोन बना पमरे

जबलपुर यश भारत। भारतीय रेल देश में यात्रियों के साथ-साथ और माल ढुलाई का सबसे बड़ा वाहक है। इसलिए पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति भारतीय रेल का दृष्टिकोण बहुत महत्व रखता है। भारतीय रेल ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कई दिशाओं में कार्य किया, जैसे रेल विघुतिकरण, हेड ऑन जनरेशन तकनीकी एवं विघुत इंजनों का अधिक से अधिक प्रयोग करना।

इस संबंध में सीपीआरओ राहुल जयपुरियार ने बताया कि रेलवे विद्युतीकरण की गति जो पर्यावरण के अनुकूल है और प्रदूषण को कम करती है 2014 के बाद से लगभग 10 गुना बढ़ गई है। भारतीय रेलवे को हरित रेलवे में बदलने और विद्युत कर्षण की आर्थिक लाभों को त्वरित रूप से प्राप्त करने के लिए रेलवे ने ब्रॉडगेज मार्गो को 100त्न विद्युतीकरण करने का दिसंबर 2023 तक का योजना बनाई है। इससे डीजल ट्रेक्शन को खत्म करने में आसानी होगी जिसके परिणाम स्वरूप इसके कार्बन फुटप्रिंट और पर्यावरण प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी। विद्युतीकरण पूर्ण होने से विशेषकर पर्यावरण को अनेकों प्रकार के लाभ मिलते हैं। जैसे पर्यावरण के अनुकूल परिवहन एवं आयातित डीजल ईंधन पर कम निर्भरता होती है जिससे कीमती विदेशी मुद्रा की बचत होती है और कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। तथा परिचालन लागत में भी कमी आती हैं। कर्षण परिवर्तन के कारण ट्रेनों की परिचालन गति में बढ़ोत्तरी होती है जिससे उनकी सेक्शन क्षमता भी बढ़ जाती है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेल भारतीय रेल पर पहला ऐसा जोन बन गया है जिसका पूरा रूट 3012 किलोमीटर विघुतिकरण हो गया है।विघुतिकरण होने से यहां भी पर्यावरण संरक्षण उपयोगी साबित हुआ है। भारतीय रेलवे हेड ऑन जनरेशन सिस्टम भी शुरू कर रहा है, जिसके तहत लोकोमोटिव के माध्यम से सीधे ओवर हेड इक्विपमेंट से कोचों को बिजली की आपूर्ति की जाती है। यह ट्रेनों में अलग पावर कारों की आवश्यकता को समाप्त करता है और इस प्रकार अतिरिक्त कोचों को खींचने की आवश्यकता को कम करता है, और दक्षता बढ़ाता है। भारतीय रेल में 1120 से अधिक ट्रेनों को पहले ही एचओजी में बदल दिया गया है। इसके अलावा उत्पादन इकाइयों से 160 एचओजी अनुपालन वाली ट्रेनें प्राप्त हुई है। इसलिए कुल 1280 ट्रेनों को एचओजी सिस्टम से लैस किया गया है। कार्बन फुटप्रिंट में प्रतिवर्ष से 31,88,929 टन की कमी आएगी। पावर कारों को खत्म करने से 2300 करोड़ रुपए की ईंधन लागत में भी बचत होगी।

गौरतलब है कि पश्चिम मध्य रेल ने भी हेड ऑन जनरेशन तकनीकी का उपयोग किया है। पश्चिम मध्य रेल में इलेक्ट्रिक इंजन 63 लोकोमोटिव हेड ऑन जनरेशन कंप्लाइन्ट लोको तकनीकी के हैं 21 हेड ऑन जनरेशन कंप्लाइन्ट रेकों का उपयोग किया जा रहा है। इस तकनीकी से पर्यावरण में वायु प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण काफी कमी आयी है एवं पिछले दो वर्षों में 20 करोड़ की बचत हुई है।

कठिन परिस्थितियों में हुआ 3012 किलोमीटर का विद्युतीकरण कार्य

विद्युत लोको का अधिक प्रयोग

भारतीय रेलवे ने डीजल लोको से इलेक्ट्रिक लोको में स्थानांतरित करके प्रदूषण को कम किया जा रहा है। विद्युतीकरण में वृद्धि के साथ पिछले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रिक इंजनों को उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है। ट्रेन संचालन के लिए अधिक विद्युत इंजनो का उपयोग किया जा रहा है और इतनी ही संख्या में डीजल इंजनों को सेवा से वापस लिया जा रहा है। रेलगाड़ी के संचालन के लिए डीजल इंजनों के कम उपयोग के परिणामस्वरूप मालगाड़ियों की ढुलाई में वृद्धि हुई है और डीजल की खपत में भारी बचत हुई है। पर्यावरण संरक्षण में अनुकूल फायदा हुआ है।

12 हजार हॉर्स पावर वाले इंजन का उपयोग

भारतीय रेलवे ने पर्यावरण संरक्षण के लिए उच्च ऊर्जा दक्षता वाले नए और बेहतर इंजनो का उपयोग किया गया है। भारतीय रेलवे ने 12 हजार हॉर्स पावर वाले उच्च क्षमता के लोको इलेक्ट्रिकल इंजनो के उपयोग में लाने से मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि हुई है। ये लोकोमोटिव ऊर्जा कुशल है। पश्चिम मध्य रेल वर्तमान में 776 विघुत इंजनों का उपयोग किया जा रहा है।

सम्मान का झुनझुना नगद राशि पर मौन ?

जबलपुर। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा कोरोना योद्धाओं का 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सार्वजनिक समारोह में सम्मान/प्रशस्ति पत्र दिये जाने की घोषणा की गई है। इससे पूर्व भी माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा कोरोना के प्रारंभ काल से कोरोना फ्रंट लाईन स्वास्थ अमला डाक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, लैब टैक्नीशियन, लैब अटेन्डेंट, एम.पी. डब्ल्यू. ए.एन.एम, अशा कार्यकर्ता, वार्ड वॉय एवं समस्त संवर्ग के संविदा कर्मचारियों को उनको मासिक वेतन के साथ-साथ रूपये 10 हजार की अतिरिक्त मानेदय राशि दिये जाने की घोषणा भी की जा चुकी है। स्वास्थ्य कर्मियों में यह आम चर्चा है कि क्या मुख्यमंत्री द्वारा मात्र घोषणायें ही की जा रही हैं या उसे कार्यरूप में भी अमलीजामा पहनाया जावेगा? कर्मचारियों का यह मानना है कि सम्मान तो अपनी जगह है मात्र सम्मान से इस भीषण मंहगाई में गुजारा कर पाना संभव नहीं है। अच्छा होगा की शासन घोषणा के अनुसार कोरोना योद्धाओं को वेतन के साथ-साथ 10 हजार रूपये अतिरिक्त मानदेय दिये जाने के आदेश जारी किये जावे, जो कोरोना योद्धाओं का असली सम्मान होगा।संघ के योगेन्द्र दुबे, अर्वेन्द्र राजपूत, अवधेश तिवारी, नरेन्द्र दुबे, अटल उपाध्याय, जवाहर केवट, प्रहलाद उपाध्याय, मुन्ना लाल पटैल, नरेन्द्र सेन, आलोक अग्निहोत्री, मुकेश सिंह, दुर्गेश पाण्डे, ब्रजेश मिश्रा, मनोज राय द्वेय, शहजाद द्विवेदी, रजनीश पाण्डे, अजय दुबे, सतीश उपाध्याय, अरूण दुबे, विनोद साहू, बलराम नामदेव, अजय राजपूत, गोपाल पाठक, हरिशंकर गौतम, गणेश चतुर्वेदी, के. के.तिवारी, कैलाश शर्मा, लक्ष्मण परिहार, हर्षमनोज दुबे, आदि ने माननीय प्रमुख सचिव म.प्र.शासन को ई-मेल के माध्यम से पत्र भेजकर मांग की गई है कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई उपरोक्त घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु आदेश जारी किये जावें।

कोरोना योद्धाओं को घोषणा के अनुरूप मिले 10 हजार

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने निगमायुक्त सक्रिय

पहुंचे रमनगरा जल शोधन संयंत्र,पानी के फिल्टरेशन की प्रक्रिया की जानकारी ली और पेयजल आपूर्ति में पारदर्शिता रखने निर्देश दिए

जबलपुर। शहर के नागरिकों को साफ स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति नियमित रूप से हो इसके लिए निगमायुक्त संदीप जी आर अधिकारियों और ऑपरेशन एजेंसी के पदाधिकारियों के साथ रमनगरा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचे,और वहां की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए आपूर्ति की जाने वाली पेयजल की गुणवत्ता की जानकारी ली ।उन्होंने यहां अमृत योजना के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा भी की और यहां की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में बाउंड्री वाल, का निर्माण तेज गति से करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त श्री जी आर ने नाला निर्माण, गेट और चौकीदार रूम निर्माण की प्रगति की भी जानकारी ली और शीघ्र कार्य प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।इसके उपरांत निगमायुक्त ने 1000 एम एम व्यास के राइजिंग मेन लाइन के कार्यों का भी मुआयना किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हमारा यह उद्देश्य है कि शहर के नागरिकों को दोनों समय स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो, इस व्यवस्था में आप लोग पारदर्शिता रखें। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, सहायक यंत्री राजेश खम्परिया, ऑपरेशन एजेंसी के प्रोपराइटर रवि ग्रोवर आदि उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स पर राजनीति करना संस्कारधानी का अपमान

‘ जबलपुर। जागरूक खेल संघ ने कहा कि स्पोंटस के नाम पर राजनीति करने की वजह से संस्कारधानी खेलों में पिछड़ते जा रही है क्योंकि संस्कारधानी में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है कमी है तो संसाधनों की। एक तरफजहां संस्कारधानी में न तो आउट डोर खेलों के लिए राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय मैदान हैं वहीं इंडोर खेलों के लिए भी सर्वसुविधायुक्त हॉल नहीं हैं ।

ऐसे में यदि सांसद महोद्य के द्वारा संस्कारधानी में ग्रीन स्पोर्टस सिटी काम्पलेक्स का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया है तो यह संस्कारधानी के लिए बहुत ही गर्व की बात होगी, इस पर किसी भी प्रकार की राजनीति कर इस प्रोजेक्ट पर बंदिस लगाने की कोषिस करना याने संस्कारधानी से खेल गतिविधियों और खेल प्रतिभाओं को पीछे ले जाना है खेल प्रतिभाओं को दबाने की कोषिस करना है इससे सिर्फ और सिर्फ संस्कारधानी का नुकसान होगा और हम खेल के क्षेत्र में पिछड़ते चले जांएगे। सघ के अध्यक्ष रापर्ट मार्टिन ने बताया कि हमेशा से ही जबलपुर संस्कारधानी के साथ यह समस्या रही है कि जब भी खेल के नाम पर कोई बड़ा प्रोजेक्ट तैयार होने की बात होती है तो प्रारंभ होने के पहले ही खेल के नाम पर ओछी राजनीति करने वाले सामने अड़ंगा लगा देते है जिससे सुरूआत होने से पहले ही योजना का अंत हो जाता है फ्लस्वरूप इस का परिणाम यह हो रहा है कि दिन प्रतिदिन हम खेल क्षेत्र में पिछड़ते जा रहे हैं और आज हमारे शहर जबलपुर की स्थिति इतनी दैनीय है कि हम अर्न्तराष्ट्रीय प्रतियोगिता तो छोड़ो राष्ट्रस्तरीय प्रतियोगिता कराने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि हमारे पास उस स्तर का एक भी स्पोंट्स कॉम्लेक्स नहीं है जिसमें सभी प्रकार की सुविधाएं हो। संघ ने आगे बताया कि संस्कारधानी में वर्षों से खेल के नाम पर राजनीति के ये हालात रहे हैं यही वजह है कि कभी राईट टाउन स्टेडियम में सेन्थेटिक ट्रेक का निर्माण होना था जो रूक गया वहीं रानीताल स्टेडियम का भी पूंर्ण विकास नहीं हो सका अत: जबलपुर में सिर्फऔर सिर्फ बातें ही हो पाई हैं परंतु किसी भी प्रकार का पूंर्ण विक्सित स्पोंटस कॉम्पलेक्स का निर्माण नहीं हो सका अब यदि ग्रीन स्पोंर्टस सिटी का निमार्ण डुमना क्षेत्र में प्रस्तावित है तो शहर वासियों को इस निर्माण हेतु सहयोग देना चाहिए न की विरोधावास स्वरूप किसी प्रकार की राजनीति करना चाहिए। संघ के राजेश जैन (राजू पहलवान), मीनूकांत शर्मा, राकेश श्रीवास, ज़ियाउर्रहीम, सुनील यादव, राजेन्द्र सिंह, संजय यादव, लॉरेन्स मार्टिन, विनोद पोद्दार, चन्द्रषेखर स्वामी, सदन जाट, भगवान सिंह, किषोरी लाल भलावी, मुनीर खान, गिनीषकांत मिश्रा, दिनेष गौंड़, शारूख जाफ्री, आषाराम झारिया, संजय डिलराज, बॉबी खान, मों. शकील, मों. आसिफ तेजभान सिंह, कुलदीप सिंह, अरूण मार्टिन, इकबाल खान, राजा लोधी, नवीन हांडा, मनोज परते, विजय तिवारी, अषोक राय, बंटी, महेष रजक, मुन्नालाल कतिया, राजकुमार यादव, निरंजन ओझा, रजनीष चड्डा, कादिर अहमद, एलविष केने आदि ने संस्कारधानी वासियों से मांग की है कि ग्रीन स्पोंट्स कॉम्पलेक्स बनने में अपना सहयोग प्रदान करें।

स्पोंट्स कॉम्पलेक्स संस्कारधानी खेल प्रतिभाओं का हक

संपादकीय

जमीनी हकीकत के अनुरूप उठायें कदम

सोमवार को शीर्ष अदालत ने देश में वैक्सीन नीति से जुड़ी विसंगतियों और इससे जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार से सख्त लहजे में सवाल पूछे और तल्ख टिप्पणियां कीं। ये सवाल वैक्सीन की खरीद, वैक्सीन की उपलब्धता और इसके लिये पंजीकरण से जुड़ी दिक्कतों से भी जुड़े थे। दरअसल, अदालत कोरोना मरीजों की दवा, ऑक्सीजन और वैक्सीन से जुड़े मुद्दों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर रही है। तीन सदस्यीय बेंच में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, एस. रवींद्र भट्ट और एल. नागेश्वर राव शामिल थे। बेंच के सामने केंद्र सरकार की ओर से उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से अदालत ने कड़े सवाल किये। बेंच ने कहा कि केंद्र सस्ते दाम में वैक्सीन खरीद रही है और राज्यों व निजी चिकित्सालयों के लिये कंपनियां कीमत तय कर रही हैं। ऐसा क्यों है? वैक्सीन खरीदने के लिये राज्य ग्लोबल टेंडर निकाल रहे हैं, क्या यह केंद्र की पालिसी का हिस्सा है? बेंच ने यह भी पूछा कि केंद्र सरकार डिजिटल इंडिया की दुहाई देती है, जबकि देश में गरीबी व निरक्षरता के चलते श्रमिक वर्ग कैसे कोविन एप पर पंजीकरण करा सकेगा? अदालत का मानना था कि देश में टीके की कीमत में एकरूपता होनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि सही-गलत का निर्धारण सिर्फ केंद्र सरकार ही कर सकती है। जनसरोकारों से जुड़े विषयों में अदालत को हस्तक्षेप करने के पूरे अधिकार हैं। सॉलिसिटर जनरल द्वारा यह कहने पर कि यह नीतिगत मामला है और कोर्ट के पास न्यायिक समीक्षा के अधिकार सीमित हैं, कोर्ट ने दो टूक कहा कि हम आपसे नीति बदलने के लिए नहीं कह रहे हैं लेकिन केंद्र सरकार को जमीनी हकीकत से वाकिफ होना चाहिए। लोगों को सरकार की नीति से परेशानी नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने माना कि महामारी का संकट बड़ा है और हाल ही में विदेश मंत्री अमेरिका आवश्यक चीजों के लिये गये थे, लेकिन सरकार को अपनी कमियां भी स्वीकारनी चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि यह सुनवाई सरकार को असहज करने के लिये नहीं है, कमजोरी स्वीकारना मजबूती की निशानी भी होती है। दरअसल, शीर्ष अदालत की बेंच केंद्र सरकार से टीका नीति की वास्तविक स्थिति जानना चाहती है। न्याय मित्र जयदीप गुप्ता ने टीका नीति की विसंगतियों की ओर अदालत का ध्यान खींचते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों को टीका खरीद का करार करने को कहा है लेकिन एक ही विदेशी टीका निर्माता कंपनियां राज्यों से करार नहीं करना चाहतीं, वहीं हर राज्य की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह महंगी वैक्सीन जुटाने में सक्षम हो। हालांकि, टीके के दामों के बाबत पूछे जाने पर सॉलिसिटर जनरल का कहना था कि यदि हम टीकों के दामों से जुड़े जांच की ओर बढ़ेंगे तो इससे टीकाकरण कार्यक्रम प्रभावित होगा। कोर्ट का मानना था कि देश की संघीय व्यवस्था के तहत बेहतर होता कि केंद्र वैक्सीन खरीद कर राज्यों को देता। लेकिन केंद्र राज्यों को अनिश्चय की स्थिति में नहीं छोड़ सकता। वहीं केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि उसे ज्यादा टीके खरीदने के कारण कम कीमत पर टीका मिला है। अदालत द्वारा तीसरी लहर की चुनौती में ग्रामीण क्षेत्रों व बच्चों के अधिक प्रभावित होने की आशंका को लेकर पूछे गये सवाल पर केंद्र की ओर जवाब दिया गया कि सरकार ने गंभीर विचार-विमर्श के बाद टीकाकरण नीति का निर्धारण किया है। यदि इसमें किसी तरह के बदलाव की जरूरत होगी तो सरकार सही दिशा में बदलाव को तत्पर रहेगी। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि देश में टीका उत्पादन की क्षमता के अनुरूप क्या साल के अंत तक टीकाकरण के लक्ष्य हासिल कर लिये जाएंगे? इस पर केंद्र के प्रतिनिधि का कहना था कि टीकों की उपलब्धता के आधार पर ही लक्ष्य तय किये गये हैं। निस्संदेह शीर्ष अदालत ने देश के जनमानस को उद्वेलित कर रहे सवालों का ही केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण चाहा है ताकि जनता में किसी तरह की ऊहापोह की स्थिति न बने। निस्संदेह जनमानस की आशंकाओं का निराकरण जरूरी है।

विश्व पर्यावरण पर विशेष

पर्यावरण संरक्षण एवं मानव चेतना?

आज हम विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं परंतु मेरा मानना है की बाहरी वातावरण में हरियाली और पर्यावरण का सुधार तभी होगा जब हमारे अंत: करण में हमारे विचारों में हरियाली आएगी, जब हमारे अंत: कारण सकारात्मक विचारों से हरे भरे हो जाएंगे तब हम बहरी पर्यावरण को समझ सकेंगे और उसे संवार सकेंगे क्योंकि हम बाहर वही करते हैं जो हम भीतर होते है। पर्यावरण विकास संबंधित तरंगे जब मानव के अंत: करण में उत्पन्न होने लगेंगीं तब बहरी पर्यावरण शुद्ध साफ व उज्जवल हो जावेगा अन्यथा यह दिवस अन्य दिवस की तरह एक सामान्य दिवस ही रह जावेगा ।

हमारे पूर्वज जानते थे कि जिस वस्तुओं का हमारे जीवन में सर्वाधिक महत्व है वह सभी देव स्वरूप हैं जैसे अन्न के बिना जीवन असंभव नहीं है इसलिए अन्न को अन्न देवता कहा गया। इसी प्रकार हमारे जीवन में जल महत्वपूर्ण है इसलिए उसे जल देवता के रूप में पूजा गया एवं संरक्षित किया गया, इसी प्रकार वनों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है इसीलिए वन को वन देवता के रूप में पूजा गया एवं उसका संरक्षण किया गया जब तक हमारे अंत:करण में पर्यावरण को देव स्वरूप नहीं देखा जावेगा तब तक उसका संरक्षण नहीं हो पाएगा अत: पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए हमें अपने अंत:करण में सर्वप्रथम पर्यावरण के प्रति आध्यात्मिक चेतना जागृत करनी पड़ेगी जब तक पर्यावरण के प्रति अध्यात्मिक चेतना जागृत नहीं होगी तब तक संरक्षण की बातें व्यर्थ ही रह जाएंगे यह दिवस एक दूसरे को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ही बीत जावेगा । हमारा शरीर पंच तत्वों से मिलकर बना है जिसे हम भगवान कहते हैं भ का मतलब भूमि,ग मतलब गगन, वा मतलब वायु अ मतलब अग्नि एवं ना मतलब नीर यदि हम इन पंच तत्वों का शुद्धिकरण कर ले तो पर्यावरण अपने आप शुद्ध हो जावेगा इसीलिए इन पांचों तत्वों को देव स्वरूप पूजा गया है क्योंकि यदि हम भूमि का शुद्धिकरण करते हैं तो पृथ्वी पर कचरा फेंकना बंद कर देंगे एवं फेंके जाने वाले कचरा को खाद एवं बायोगैस में परिवर्तित कर वातावरण में निपटान करेंगे। इसी प्रकार जब हम गगन शुद्धि की बात करते हैं तो गगन में उद्योग धंधों के कारण फैल रही अशुद्धियों सर्वप्रथम दूर कर वातावरण में चिमनी से निकलने वाले धुएं को शुद्ध कर कर छोड़ेंगे। वायु के शुद्धिकरण के लिए हम अपने चारों और पेड़ पौधे लगाने लगेंगे जिससे हमारा पर्यावरण साफ और शुद्ध होने लगेगा इसी प्रकार अग्नि में किया हुआ उचित होम व यज्ञ हमारे वातावरण को पवित्र कर देता है इसलिए आदि काल से होम, यज्ञ आदि करने की प्रथा चली आ रही है अंतत: नीर की शुद्धि के लिए हम अपनी नदियों को पवित्र करने का प्रयास करेंगे इसीलिए हमारे बुजुर्गों ने नदियों को देवी स्वरूप माना और उसमें अशुद्धियों के निष्पादन के लिए हमेशा रोका तथा इसे पाप माना। जब तक हम इन पंच तत्वों का शोधन हमारे पूर्वजों, वेदों एवं शास्त्रों के अनुसार नहीं करेंगे तब तक पर्यावरण शुद्धि की बात करना और पर्यावरण दिवस मनाना एक मिथ्या होगा। जब मानव के भीतर पर्यावरण के प्रति श्रद्धा होगी तब पर्यावरण के प्रति भक्ति भाव जागृत होगा और यह भक्ति भाव हमारे कर्मों को पर्यावरण के अनुरूप कर देगा अंतत: पर्यावरण का ज्ञान हमें सही दिशा प्रदान करेगा परंतु उससे पूर्व पर्यावरण के प्रति श्रद्धा फिर भक्ति फिर कर्म में पर्यावरण के प्रति चेतना को जागृत करना ही पड़ेगा ।

व्याख्याकार
डा. प्रदीप कुमार उप्पल
(पर्यावरणविद)

बकस्वाहा में हीरे और जंगल में जंग की तैयारी

बकस्वाहा का जंगल जो छतरपुर जिले की अमानत है पर जैसे ही आदित्य बिड़ला ग्रुप को यहां हीरा खनन का ठेका मिलने की घोषणा हुई समस्त पर्यावरण प्रेमियों के कान खड़े हो गए क्योंकि इससे पहले इस स्थान का सर्वे सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया की कंपनी रियो टिंटो ने शुरू किया था और कंपनी ने उस दौर में बिना अनुमति 800 से ज्यादा पे? काट डाले थे। गौरतलब है कि बंदर डायमंड प्रोजेक्ट के तहत इस स्थान का सर्वे 20 साल पहले शुरू हुआ था। अब यहां सवा दो लाख पेड़ काटे जाने वाले हैं। खनिज विभाग ने पूर्व में यह खदान 2008 में ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी वाली रियो टिंटो कंपनी को लीज पर आवंटित की थी। जिसमें नीरव मोदी की पार्टनरशिप थी तब शर्त ये थी कि रियो टिंटो खदान से निकलने वाले हीरे निर्यात नहीं करेगी और हीरे की कटिंग और पॉलिशिंग मध्य प्रदेश में ही करेगी। कंपनी को इसमें मुनाफा नहीं दिखा तो वो यह प्रोजेक्ट सन् 2016 में छोड़ दी। तब यह भी कहा जाता है कि यह कंपनी बड़ी मात्रा में हीरे लेकर जा चुकी थी, जबकि कुछ ही हीरे राज्य सरकार के खजाने में जमा करके गई है। एक छतरपुर जिले के बकस्वाहा की बंदर हीरा खदान 364 हेक्टेयर वनभूमि में है, जिसमें 34. 2 मिलियन कैरेट हीरा होने की संभावना है। इसकी कीमत करीब 55 हजार करोड़ रुपये है। इसके लिए पांच कंपनियों यानी भारत सरकार के उपक्रम नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एस्सेल माइनिंग, रूंगटा माइंस लिमिटेड, अडानी ग्रुप की चेंदीपदा कलरी और वेदांता कंपनी ने तकनीकी निविदाएं जमा की थीं। आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी ने बंदर खदान को नीलामी के दौरान उच्चतम बोली 30.5 प्रतिशत लगाकर प्राप्त किया है। यह खदान एशिया महाद्वीप की सबसे उत्कृष्ट जैम क्वालिटी के हीरों की खदान है। नीलामी प्रक्रिया में देश की ब?ी कंपनियों में शुमार अडानी ग्रुप 30 प्रतिशत अधिकतम बोली लगाकर दूसरे स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले की बंदर हीरा खदान पर आदित्य बि?ला समूह जल्दी ही काम शुरू कर देगा, क्योंकि सरकार ने इसका आशय पत्र (एलओआई) समूह के अधिकारियों को सौंप दिया है। इससे राज्य सरकार को करीब 23 हजार करोड़ रुपए रायल्टी के रूप में मिलेंगे जो सरकारी बोली के राजस्व का चार गुना होगा। सरकार एक साल में यह राजस्व हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन हीरा खदान के लिए 62.64 हेक्टेयर जंगल चिह्नित है। नियम है कि 40 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र के खनन का प्रोजेक्ट है तो उसे केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय मंजूरी देता है। वन विभाग में लैंड मैनेजमेंट के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील अग्रवाल का कहना है कि इस प्रपोजल को केंद्र सरकार में भेजा जा चुका है, अभी मंजूरी नहीं हुई है। इसीलिए पर्यावरण प्रेमी अपनी एकजुटता के साथ पर्यावरण दिवस से हीरा खदान के खनन के काम को रोकने अपने जंगल को बचाने पांच जून विभिन्न चरणों में आंदोलन करने जा रहे हैं जिसमें देश और विदेश से पर्यावरण संरक्षण करने वाले लोग आते रहेंगे। कोरोना कर्फ्यु के कारण इसमें विलंब हुआ है।छतरपुर में बक्स्वाहा हीरा खदान के लिए काटे जाने वाले 2.15 पेड़ों को बचाने के लिए म प्र समेत देश भर के एक लाख 15 हजार लोग सामने आ गए हैं। कोरोना को देखते हुए इन सभी ने फिलहाल सोशल मीडिया पर 'सेव बक्सवाहा फॉरेस्ट' कैंपन चलाया है, जरूरत पड़ी तो पेड़ों से चिपकेंगे। गत 9 मई को देश भर की 50 संस्थाओं ने इसके लिए वेबिनार किया और रणनीति बना ली है। चिपको आंदोलन का प्रशिक्षण भी युवाओं को दिया जा रहा है।इस बीच दिल्ली की नेहा सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की है, जिसे सुनने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। बिहार में पीपल, तुलसी और नीम लगाने के देशव्यापी अभियान से जुड़े डॉ. धर्मेंद्र कुमार का कहना है कि कोरोना ने ऑक्सीजन की अहमियत बता दी है। राष्ट्रीय जंगल बचाओ अभियान से जुड़ी भोपाल की करुणा रघुवंशी ने बताया कि कई राज्यों के लोग जुड़े हैं। डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने भी आंदोलन को सहमति के तौर पर जुड़ने की इच्छा जाहिर की है।

5 जून को पर्यावरण दिवस है इस अवसर पर पर्यावरण बचाओ अभियान के संस्थापक सदस्य, मार्गदर्शक एवं समाजसेवी बकस्वाहा जंगल बचाओ केम्पेन के समर्थन में कृषि वैज्ञानिक एवं समाज सेवी डॉ सदाचारी सिंह तोमर उम्र 70 वर्ष जो ढ्ढष्टक्र, क्क्र, ह्द2 ष्ठद्गद्यद्धद्ब से सेवानिवृत्त और एकमात्र जीवित कृषि वैज्ञानिक हैं जिन्हें दो बार इंजीनियरिंग फील्ड में राष्ट्रपति सम्मान मिला है। पद्मश्री बाबूलाल दाहिया क्क्चड्डढ्ढद्यड्डद्य ष्ठड्डद्धद्ब4ड्ड उम्र 85 वर्ष, सतना, जो जैविक खेती, विभिन्न प्रकार के बीज संग्रहण, संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान है। शरद सिंह कुमरे 50 वर्ष संस्थापक पराक्रम जनसेवी संस्थान, पर्यावरण बचाओ अभियान, जागो भारत अभियान, भोपाल, कैप्टन राज द्विवेदी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूतपूर्व सैनिक परिषद रीवा। श्री आनंद पटेल अध्यक्ष, पर्यावरण शिक्षा एवं संरक्षण समिति, भोपाल, ईश्वरचंद्र त्रिपाठी, उम्र 75 वर्ष, सतना वरिष्ठ समाज सेवी और भ्रष्टाचार हटाओ अभियान प्रमुख विवेक सक्सेना, पर्यावरण शिक्षा एवं संरक्षण समिति भोपाल, बकस्वाहा पहुंच कर एक दिन का उपवास /जंगल भ्रमण/पेड़ों से चिपक कर बकस्वाहा जंगल बचाने के लिए चिपको आंदोलन का सांकेतिक शुरुवात/रक्षा सूत्र बांधकर बकस्वाहा जंगल बचाने का संकल्प लेंगे।स्थानीय लोगों से भी संपर्क कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के हित में बकस्वाहा जंगल बचाने के लिए प्रेरित करेंगे । ग्रामवासियों के साथ पौधरोपण कर बकस्वाहा जंगल बचाने का संकल्प दिलवाएंगे। इस आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत होंगे भगतसिंह को अपना आदर्श मानने वाले बुंदेलखंड के क्रांतिकारी युवा योद्धा जो पूंजीवादी व्यवस्था के समूल नाश के लिए प्रतिबद्ध हैं वे जन जन में आक्सीजन की कमी से हुई मौतों के लिए जिम्मेदार सरकार से जंगल बचाने की गुहार कई से लगा रहे हैं जंगल क्षेत्र के लोगों का उनको साथ भी मिला हुआ है।

सुसंस्कृति परिहार

आप का राशिफल 06 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

फिल्म वर्ग पहेली- 5456

बायें से दायें:-
१. शाहरुख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-
१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरुण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरुख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शाबिरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछ के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5455

Jagrutidaur.com, Bangalore

137 वर्षों से 32 खंभों पर टिका है ये प्रसिद्ध शक्तिपीठ

दंतेवाड़ा जिले के नक्सली इलाके में घोर जंगल और पहाडों के बीच स्थित ये मंदिर 137 सालों से 32 मोटे खंभों पर टिका है। ऐसा कहा जाता है कि राजा की एक गलती के चलते ये मंदिर बनाया गया। इस मंदिर में सिले हुए वस्त्रों को पहनकर जाने की मनाही है। यहां पुरुषों को धोती या लुंगी लगाकर ही प्रवेश करने दिया जाता है।

इतिहास

कहते हैं यहां देवी सती का दांत गिरा था। इसलिए इन्हें दंतेश्वरी माता कहा गया। राजधानी से करीब 380 किमी दूर दंतेवाडा में शंखिनी और डंकिनी नदियों के संगम पर स्थित इस मंदिर के बनने की कहानी बहुत रोचक है। कहते हैं इस मंदिर का निर्माण महाराजा अन्नमदेव ने चौदहवीं शताब्दी में किया था। वारंगल राज्य के प्रतापी राजा अन्नमदेव ने यहां आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और मां भुवनेश्वरी देवी की स्थापना की। एक दंतकथा के मुताबिक अन्नमदेव जब मुगलों से पराजित होकर जंगल में भटक रहे थे तो कुलदेवी ने उन्हें दर्शन देकर कहा कि माघ पूर्णिमा के मौके पर वे घोडे पर सवार होकर विजय यात्रा प्रारंभ करें। वे जहां तक जाएंगे, वहां तक उनका राज्य होगा और स्वयं देवी उनके पीछे चलेंगी। लेकिन पीछे मुढकर मत देखना।वरदान के अनुसार राजा ने वारंगल के गोदावरी के तट से उत्तर की ओर अपनी यात्रा प्रारंभ की। राजा अपने पीछे चली आ रही माता का अनुमान उनके पायल की घुंघरुओं से कर रहे थे। शंखिनी और डंकिनी की त्रिवेणी पर नदी की रेत में देवी के पैरों की घुंघरुओं की आवाज रेत में दब जाने के कारण बंद हो गई तो राजा ने पीछे मुढकर देख लिया। इसके बाद देवी वहीं ठहर गईं। कुछ समय पश्चात मां दंतेश्वरी ने राजा के स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि मैं शंखिनी-डंकिनी नदी के संगम पर स्थापित हूं। कहा जाता है कि मां दंतेश्वरी की प्रतिमा प्राकट्य मूर्ति है और गर्भगृह विश्वकर्मा द्वारा निर्मित है। शेष मंदिर का निर्माण कालांतर में राजा ने किया।

ऐसे पहुंचें

यहां तक पहुंचने के लिए सडक मार्ग का साधन सुगम है। रायपुर से बस से जगदलपुर पहुंचकर दंतेवाडा पहुंचा जा सकता है। मंदिर प्रसिद्ध होने के कारण साधनों की कमी नहीं पडती।

सूडोकु नवताल- 5977

★★★✬☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5976 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

विचार प्रवाह

परायों के साथ जीना जितना आसान है, घर परिवार केक साथ जीना उतना ही मुश्किल है। घर में जीने का अर्थ केवल यह नहीं कि हम ईंट पत्थर और चूने से बने मकान में जिएं। घर के साथ जीने की पहली शर्त है कि हम अपने भीतर आत्मीयता औश्र सहज स्नेह का विस्तार करें। जिस घर में तीन पीढ़ियां एक साथ बैठकर भोजन और भजन करती हैं, वह घर धरती पर साक्षात् स्वर्ग है। अध्यात्म का प्रारंभ धर्म से होता है, परंतु धर्म का प्रारंभ घर से होता है और घर में घरवाली नहीं तो घर घर नहीं, महज मकान है।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7039

बाएँ से दाएँ
1.पेड़,दरख्त-2
3.प्रार्थना,पूजना-4
6.आदर्श,पैमाना-3
8.त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12.देव,देवता-2
13.चलने का ढंग-2
14.प्रशंसा,गुणगान-3
16.आरामदायक-5
17.कक्ष,रूम-3
19.हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रपा-2
20.500 कागजों की गड्डी-2
21.कबाड़,खराब वस्तु-3
24.मजा,मस्ती-2
26.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28.शोरगुल,-4
29.तह,परत-2

ऊपर से नीचे
2.माफी-2
3.झूठी शान,घमंड-3
4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5.अपराध,गुनाह-2
7.रग,नाड़ी-2
8.सूत कातने का यंत्र-3
9.एकाएक-4
11.शीश झुकाए हुए-5
12.भोर,प्रात:-3
15.ननद का पति-4
16.विश्राम,राहत-3
18.रोगी,बीमार-3
22.उच्चतम-3
23.गरबा,नृत्य-2
24.मृत्यु-2
25.रास्ता,मार्ग-2
27.आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -7038 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

देर रात खत्म होने वाली थी जूडा की हड़ताल, मानदेय बढ़ाने पर अटका मामला

भोपाल । प्रदेश के छह मेडिकल कॉलेजों में चल रही जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल शुक्रवार देर रात खत्म होने की पूरी उम्मीद थी। जूनियर डॉक्टरों ने रात 10 बजे से 12 के बीच दो बार बैठक कर हड़ताल खत्म करने का निर्णय ले लिया था। जूडा को यह जानकारी मिली थी की सरकार उनकी मांग मानने को तैयार हो गई है। इसी बीच अधिकारियों ने साफ कर दिया कि किसी भी सूरत में जूडा का मानदेय 17 फीसद से ज्यादा नहीं बढ़ाया जा सकता। बता दें कि जूनियर डॉक्टर मानदेय में 24 फीसद तक की बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं।इतनी बढ़ोतरी की जाती है तो जूनियर डॉक्टरों का मानदेय नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक के बराबर हो जाएगा। इतना ही नहीं है सरकार को सीनियर रेसीडेंट्स का वेतन भी बढ़ाना पड़ेगा।सेंट्रल जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अरविंद मीणा का कहना है कि देशभर के डॉक्टरों का समर्थन उन्हें मिला है। सरकार कोई सख्त कदम उठाती है तो हालात बिगड़ सकते हैं। डॉक्टरों के सभी संगठन हड़ताल में शामिल हो सकते हैं। उधर सभी कॉलेजों के डीन ने अपने अपने यहां के जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों को काम पर लौटने की समझाइश दी है। हॉस्टल खाली करने को भी कहा जा रहा है। पदाधिकारियों के माता-पिता को भी फोन कर कहा जा रहा है कि वह अपने बच्चों को समझाएं कि वह आंदोलन खत्म करें।

भोपाल । जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के बीच प्रदेश सरकार ने एक नियम का हवाला देते हुए कहा है कि चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में निर्धारित समय सीमा के बाद सीट छोड़ने वालों को पूरी अवधि का शैक्षणिक शुल्क जमा करना होगा। यह राशि दस लाख से लेकर तीस लाख रुपये होगी। यह नियम वर्ष 2018 से प्रवेशित सभी विद्यार्थियों पर प्रभावशील है। इस नियम का हवाला देने को सरकार की सख्ती माना जाना जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त निशांत वरवड़े ने बताया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नीट से चयनित विद्यार्थियों को चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में शासन द्वारा %मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा प्रवेश नियम-2018 एवं संशोधन 19 जून, 2019 के अनुसार प्रवेश दिया जाता है। इस नियम के तहत अभ्यर्थी द्वारा सीट छोड़ने पर बंधपत्र की शर्तें लागू होंगी। इसमें अभ्यर्थी को बंधपत्र की राशि 10 लाख रुपये (प्रवेश वर्ष 2018 एवं 2019)-30 लाख रुपये (प्रवेश वर्ष 2020) स्वशासी संस्था को देनी होगी। इसे संबंधित स्वशासी महाविद्यालय के खाते में जमा करना स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बताया कि कोरोना संक्रमण महामारी में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रदेश के समस्त चिकित्सालयों में 978 स्टाफ नर्सों की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्तियां लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन संचालित शासकीय नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्रों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं की ऑफलाइन काउंसलिंग कर दी गई है। चयनित स्टाफ नर्स को कोविड-19 प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण के लिए पदस्थापना स्थल पर ही ऑनलाइन माध्यम से आगे का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सीट छोड़ने पर हड़ताली जूनियर डॉक्टरों से वसूले जाएंगे दस लाख रुपये

वाल्मीकी पद्धति से दो साल में तैयार किया घना जंगल

भोपाल। कलियासोत पहाड़ी स्थित मध्य प्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी) द्वारा पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। वाल्मी ने प्रदेश में सघन वन विकास के लिए वाल्मीकी पद्धति विकसित कर संस्थान परिसर को हरा-भरा बनाया है। यह तकनीक जापान की मियावाकी से बनाई गई है जो कि मियावाकी तकनीक से सस्ती और लाभप्रद है। इस पद्धति से वाल्मी ने अपने परिसर में बंजर जमीन पर दो वर्ष के भीतर घना जंगल तैयार किया है। इसके तहत छायादार, फलदार एवं औषधीय सहित अन्य पौधे लगाए गए हैं। प्रदेश के विभिन्न् जिलों एवं राजधानी के अलग-अलग स्थानों पर इस पद्धति से जंगल विकसित करने का काम किया जा रहा है। इस पद्धति से अब तक शहर में कुल 4190 वर्ग मीटर में 13800 पौधों का रोपण किया गया जो आज लहराते वृक्ष का रूप ले रहे हैं। वाल्मीकी पद्धति से शहर में वभिन्न् स्थानों पर आम, मुनगा, कैथ, पलाश, करंज, शहतूत, महुआ, आम, नीम, कचनार, बरगद आदि के पौधे लगाए गए हैं। वाल्मीकी तकनीक के बारे में- कृषि संकाय विशेषज्ञ डॉ. रविंद्र ठाकुर ने बताया कि इस पद्धति में गड्ढे के स्थान पर पांच गुणा 100 की क्यारियां बनाकर उनमें पहले जैविक पोषक पदार्थ, जीवामृत और घनजीवामृत डाला जाता है। इसके बाद रेंडम विधि से 60 सेंटीमीटर की दूरी पर पौधारोपण किया जाता है। इसमें ज्यादातर स्थानीय प्रजाति के विभिन्न् ऊंचाइयों वाले पौधे लगाए जाते हैं। इस पद्धति में पौधों की वृद्धि तेजी से होती है, इसलिए बांस की छड़ियों का सहारा पौधों को दिया जाता है। पानी का वाष्पीकरण रोकने क्यारी की सतह पर पलवार बिछाई जाती है। एक साल तक प्रतिदिन सिंचाई और खरपतवार का उपचार किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसमें किसी भी के रसायन का उपयोग नहीं किया जाता, यह पूरी तरह जैविक पद्धति है, जिसमें गन्ना वेस्ट, धान का भूसा, गोबर खाद, गोमूत्र का उपयोग किया जाता है। संस्थान के विशेषज्ञ सुनील चौधरी ने बताया कि इस पद्धति से पौधारोपण करने से भूजल स्तर भी बढ़ता है, साथ ही इन पौधों में कम पानी की आवश्यकता पड़ती है। इसमें स्थानीय प्रजाति के पौधे कम स्थान में लगा सकते हैं, यह सामान्य पौधरोपण से 10 गुना तेजी में बढ़ते हैं। एक वर्ष में 10 से 15 फीट की ऊंचाई तथा तीन वर्ष में सघन वन तैयार हो जाता है।

शहर में विभिन्न स्थानों पर रोपित पौधे
वाल्मी परिसर 10350 पौधे
खजूरी सड़क- 300 पौधे
रवींद्र भवन - 600 पौधे
स्मार्ट सिटी - 1650

मनुआभान टेकरी के फिल्टर प्लांट से जुडेंगी मिलेट्री क्षेत्र की लाइन, 61 इलाकों में दो दिन जलापूर्ति नहीं

भोपाल। नगर निगम शनिवार को मनुआभान टेकरी स्थित फिल्टर प्लांट से मिलेट्री क्षेत्र की सप्लाई लाइन जोड़ेगा। इस कारण फिल्टर प्लांट बंद रहेगा और शहर के करीब 61 रहवासी इलाकों में शनिवार एवं रविवार को जलापूर्ति नहीं होगी। इससे हजारों लोगों को पानी नहीं मिल सकेगा। करोंद, छोला, नबीबाग सहित प्रमुख इलाकों में निगम आपूर्ति नहीं कर पाएगा।

इन क्षेत्रों में नहीं होगी जलापूर्ति

- नबाव कॉलोनी, ब्ल्यू मून कॉलोनी, सुंदर नगर, प्रेम नगर, नवजीवन कॉलोनी, छोला दशहरा मैदान, नगर निगम कॉलोनी, टिम्बर मार्केट, शंकर नगर, उड़िया बस्ती, करोद कलां, करोंद चौराहा, नबीबाग, नयापुरा, गोड़ीपुरा, मुरलीनगर, जनता नगर, विश्वकर्मा नगर, जेपी नगर, आशियाना, एकता नगर, जैन कॉलोनी, पन्ना नगर, सिंधी विस्थापित, कमल नगर, छह घरा, संजय नगर, एकता बिलाल, अहसान नगर, मुल्ला कॉलोनी, एबी सेक्टर, संजीव कॉलोनी, रूसल्ली, विवेकानंद एमआईजी, मोतीलाल नगर, वकील कॉलोनी, ब्रज कॉलोनी, कृषक नगर, रतन कॉलोनी, दुर्गा नगर, टोंगरा, विशाल स्टेट, भारती होम्स, कमलेश नगर, राधाकृष्ण कॉलोनी, शिवानी होम्स, शिवशक्ति नगर, प्रीति नगर, चांदबाड़ी, श्रीनगर संपूर्ण क्षेत्र, भंवर नगर, अटल नेहरू नगर, भानपुर, पटेल कॉलोनी, शबरी नगर, रासला खेड़ी, विजयेश्वरी नगर, मालीखेड़ी, बिहारी कॉलोनी, अब्बास नगर, द्रोणांचल, हरिओम बस्ती आदि।

लोगों को होगी पानी की समस्या

करोंद समेत कई क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोगों को परेशान होना पड़ेगा। ऐसे में नगर निगम टैंकरों से जलापूर्ति करने की बात कह रहा है। ताकि लोगों को पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़े। इसके अलावा निजी पेयजल स्त्रोतों से भी लोग जलापूर्ति करेंगे। नगर निगम अपनी तरफ से प्रयास कर रहा है कि आम नागरिकों को परेशान न होना पड़े।

अपने हाथों से बनाया आमंत्रण पत्र
टीकाकरण के लिए घर-घर जाकर डाले पीले चावल

भोपाल। राजधानी के बैरसिया तहसील स्थित नजीराबाद क्षेत्र में लोग टीकाकरण को लेकर खबराएं हुए थे। तरह-तरह की भ्रांतियां होने के कारण नजीराबाद में ही 5000 लोग ऐसे है जिन्हें 45 से अधिक उम्र में लगने वाला टीका नहीं लग पाया है। इतना ही नहीं मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र के 200 लोगों ने टीकाकरण नहीं करवाया था। टीकाकरण को लेकर लोगों को जागरुक कैसे किया जाए, कैसे उन्हें वैक्सीनेशन सेंटर तक लाया जाए अधिकारियो के लिए यह तेढ़ी खीर साबित हो रहा था। इस बीच एसडीएम बैरसिया और बीएमओ ने आशा कार्यकर्ताओं से लोगों को प्रेरित करने के लिए आइडिया सुझाने की बात कही। इस पर आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि आमंत्रण दिया जा सकता है। इस पर नजीराबाद आशा कार्यकर्ता ने बताया कि वे इस आमंत्रण पत्र को खुद अपने हाथो से बनाएंगी। वहीं हिंदु बाहुल्य क्षेत्रों में शादी की तरह पीले चांवल डालकर लोगों को आमंत्रित किया जा सकता है। यह बात अधिकारियों को काफी पसंद आई और नतीराबाद के 200 घरों को चिन्हित कर वहां टीकारण के लिए आमंत्रण देने और घर-घर जाकर पीले चांवल देने की कवायद शुरू की गई। यह मेहनत रंग भी लाई। इस अभियान से प्रेरित होकर 477 में से अब 127 घर ही ऐसे बचे है जिनके परिवार के सदस्यों को टीका नहीं लगा। इस तरह 200 घरों के 477 लोगों में से 73 फीसद लोगों ने टीका लगवा लिया। बता दें कि बैरसिया ग्रामीण क्षेत्र में फैली भ्रांतियों के कारण यहां महज 40 फीसद लोगों का ही टीकाकरण हो पाया है। यहां 45 से अधिक उम्र के 72 हजार और 18 वर्ष से अधिक उम्र के एक लाख 43 हजार युवाओं को टीका लगना है।

लोगों में कोविड वैक्सीन को लेकर जो भ्रांतियां है उन्हें दूर करने के लिए तरह-तरह के अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टीकाकरण करवाकर संक्रमण की चेन तोड़ने में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

अब उपहार देने की है तैयारी, आशा कार्यकर्ता बना रही है गुलदस्ता

कोरोना वैक्सीन को लेकर लोगों के भ्रम को समझाईश देकर कोरोना जैसी खतरनाक बीमारी के बारे में सहयोगी व आशाएं बता रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो का मानना है कि टीका लगने से बुखार आ जाता हैं जैसी गलत भ्रांति को दूर कर रही है। सभी आशाएं ग्रामीण क्षेत्रों के मोहल्लों में जाकर लोगो को समझा रही हैं कि जैसे टीका लगने पर बुखार आना एक सामान्य प्रक्रिया हैं और कोई भी दिक्कत नहीं होती। सहयोगी व आशाओ द्वारा घर घर जाकर लोगो को आमंत्रण पत्रक देकर टीकाकरण के बारे में समझाने का असर भी हुआ है। अब टीकाकरण करवाने वाले लोगों को उपहार देकर उन्हें वैक्सीनेशन के लिए जागरुक करने की तैयारियां की जा रही है। इसके लिए आशा कार्यकर्ता खुद गुलदस्ता तैयार कर रही है। ग्रामीण नहीं कर पाते थे रजिस्ट्रेशन, इसलिए भोपाल के लोगों ने बैरसिया में जाकर लगवा लिया टीका, बीएमओ प्रमीण मालवीय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग वैक्सीनेशन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं करवा पा रहे थे। इसके चलते भोपाल से रजिस्ट्रेशन कराकर बैरसिया जाकर 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों ने वैक्सीनेशन करवा लिया। इससे बैरसिया के लोग टीकाकरण से वंचित हुए। इस समस्या के चलते शुक्रवार युवा कोविड वैक्सीनेशन महोत्सव का आयोजन किया गया। इसके तहत बैरसिया के 18 वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्रों में रजिस्ट्रेशन सेंटर खोलकर ऑनटाइम रजिस्ट्रेशन कर वैक्सीन लगाई गई। यहीं कारण है कि बैरसिया में इस कवायद से चलते 322 लोगों का टीकाकरण एक ही दिन में हो पाया।

1200 रुपये से ज्यादा में नहीं बेच सकते डीएपी खाद की बोरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में खरीफ फसलों की बोवनी के लिए जरूरी डीएपी खाद की बोरी 1200 रुपये से ज्यादा में नहीं बेची जाएगी। यदि किसी सहकारी समिति द्वारा किसान से तय से अधिक कीमत ली जाती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर, कृषि मंत्री कमल पटेल ने किसानों से कहा कि खाद-बीज की कालाबाजारी, जमाखोरी या फिर अधिक कीमत लेने की शिकायत सीधे उनसे करें। किसानों के साथ गड़बड़ी करने वाले को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में तीन लाख टन डीएपी उपलब्ध है।सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डीएपी को लेकर इस साल शुरुआत में असमंजस की स्थिति थी। पहले 1200 रुपये बोरी में किसानों को खाद दी गई। बाद में यह 1700 और फिर 1900 रुपये प्रति बोरी हो गई। राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार से बढ़ी हुई कीमत को वापस लेने का अनुरोध किया गया। अन्य राज्यों से भी मांग आई, जिसे देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ी हुई कीमतों का भार किसान पर नहीं आने देने का निर्णय किया। सरकार ने तय किया कि किसान को 1200 रुपये में ही प्रति बोरी डीएपी मिलेगी।इसके लिए सरकार ने अपना अनुदान बढ़ा दिया। इसके बाद भी कुछ सहकारी समितियों ने बढ़ी हुई दरों पर किसानों को खाद बेची। इसको लेकर शिकायतें भी मिली हैं। इसे देखते हुए राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) के प्रबंध संचालक पी. नरहरि ने निर्देश दिए हैं कि किसान को 1200 रुपये बोरी से अधिक दर पर खाद नहीं बेची जाएगी, भले ही बोरियों पर दर कुछ भी अंकित क्यों न हो। दरअसल, बोरियों पर 1200, 1700 और 1900 रुपये एमआरपी दर्ज है।

0755-2558323 पर करें शिकायत

संयुक्त पंजीयक सहकारिता अरविंद सिंह सेंगर ने बताया कि स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं कि अब कोई भी समिति 1200 रुपये से ज्यादा में डीएपी की बोरी नहीं बेच सकती है। यदि इससे अधिक कीमत लिए जाने की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में वे जिले में उप संचालक को शिकायत करें। कॉल सेंटर नंबर 0755-2558323 पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

किसानों के साथ गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को स्पष्ट दिशा निर्देश दे दिए हैं कि खाद-बीज की कालाबाजारी, जमाखोरी और तय दर से अधिक पर बिक्री के मामलों में सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाए।

- कमल पटेल, कृषि मंत्री, मध्य प्रदेश

भारतीय खाद्य निगम के रिश्वतखोरों के नेटवर्क की तलाश दिल्ली तक

भोपाल। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) के रिश्वतखोर अधिकारियों और कर्मचारियों के अवैध लेनदेन के नेटवर्क की दिल्ली तक पड़ताल की जाएगी। सीबीआइ को तीन रिश्वतखोरों की तीन दिन की रिमांड और मिली है। पहली रिमांड में डायरी में मिले नाम और दस्तावेजों के आधार पर उन लोगों की जानकारी जुटाई है, जो रिश्वत के इस खेल में शामिल थे। अब दूसरी बार मिली रिमांड में दिल्ली मुख्यालय तक इस राशि के लेनदेन की पड़ताल की जा रही है।मालूम हो, गुरुग्राम स्थित सुरक्षा एजेंसी कैप्टन कपूर एंड संस की शिकायत पर सीबीआइ ने चार आरोपितों निलंबित डिविजनल मैनेजर हर्ष हिनोनिया, मैनेजर (अकाउंट) अरुण श्रीवास्तव, क्लर्क किशोर मीणा और मैनेजर (सिक्यूरिटी) मोहन पराते को एक लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।क्लर्क मीणा और एक अन्य कर्मचारी संदीप कुमार चौधरी के घर से कुल तीन करोड़ छह लाख 96 हजार रुपये जब्त किए गए थे। इनमें से हिनोनिया, श्रीवास्तव और मीणा को एक बार फिर तीन दिन की रिमांड पर सौंपा गया है। सूत्रों का कहना है कि आरोपितों ने रिश्वत के बंटवारे में कई अधिकारियों और कर्मचारियों के शामिल होने की जानकारी दी है। रिमांड की दूसरी अवधि में यह पता लगाया जा रहा कि गिरफ्तार और शक के घेरे में आए कितने अधिकारियों या कर्मचारियों ने दिल्ली में उपहार भेजे हैं।मीणा के घर से बरामद डायरियों में प्रदेश के बाहर के लोगों के नाम भी मिले हैं। रिश्वतखोरों से मिली जानकारी को पुख्ता साक्ष्य में बदलने की कवायद की जा रही है। दिल्ली तक कार्रवाई के पहले इसी दिशा में काम किया जा रहा है। आने वाले दिनों में और लोग भी इस कार्रवाई की जद में आ सकते हैं। उधर, इस कार्रवाई के बाद एफसीआइ में हड़कंप की स्थिति है। अधिकारी-कर्मचारी कुछ भी कहने से कतरा रहे हैं।

परीक्षा रदद होने की स्थिति में परीक्षा फीस वापिस करे माशिमं

भोपाल । प्रदेश में दसवीं और बारहवीं की परीक्षा रद्द कर वैकल्पिक परिणाम देने के निर्देश जारी किए गए हैं। ऐसे में इन परीक्षाओं को लेकर मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से पूर्व में परीक्षा के नाम पर जमा शुल्क को वापिस किया जाना चाहिए। माशिमं की परीक्षा में हर साल लाखों परीक्षार्थी परीक्षा देते है। उनसे परीक्षा फीस माशिमं द्वारा वसूली जाती है। अब परीक्षा रद्द होने की स्तिथि में तमाम अभिवावकों को मंडल द्वारा परिक्षा फीस वापिस वापसी कर देना एक उचित निर्णय होगा एवं महामारी और लंबे लॉक डाउन के दौरान आर्थिक संकट का सामना कर रहे अभिवावकों के लिए जीवनयापन मे मददगार होगा। इस मांग को लेकर शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन की ओर से भोपाल एनएसयूआई अध्यक्ष आशुतोष चौकसे द्वारा मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश में माशिमं के सचिव उमेश कुमार जो अपनी सुस्त कार्य प्रणाली की वजह से निजी स्कूल को संरक्षण देकर मानमानी करने दे रहे है ऐसे में उन्हें इस पद से हटा देना चाहिए एनएसयूआई मुख्यमंत्री से जल्द ही यह मांग भी करेगी।

पानी के मीटरों की रीडिंग दो रजिस्टर में होगी दर्ज, ताकि गड़बड़ का न रहे आंदेशा

भोपाल । कोलार परियोजना की लाइन बिछाने एवं मरम्मत के कार्यों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को निगमायुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे। उन्होंने पानी के बल्क कनेक्शन के संबंध में भी जानकारी ली। निर्देश दिए कि पानी के मीटरों की रीडिंग दो रजिस्टर में दर्ज हो। पहला संबंधित रहवासी समिति और दूसरा निगमकर्मी के पास हो। ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ या गफलत का आंदेशा न रहे। निगमायुक्त ने भारत टॉकीज, पॉलीटेक्निक क्षेत्र, बैरसिया रोड आदि क्षेत्रों में कोलार जलप्रदाय परियोजना की पुरानी पाइप लाइनों को परिवर्तित कर नवीन पाइप लाइन बिछाने के कार्यों एवं पाइप लाइनों के बिछाने के उपरांत मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने भारत टॉकीज क्षेत्र में नाले के ऊपर सीढ़ी बनाकर पाइप लाइन बिछाने के निर्देश दिए। यहां पाइपों पर की जा रही वेल्डिंग कार्य का निरीक्षण किया और कार्यों को शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। पॉलीटेक्निक क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को एक सप्ताह में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही बैरसिया रोड पर 700 एमएम व्यास की पाइप लाइन बिछाने के कार्य का जायजा लिया और बैरसिया रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने रोडक्रास कर 200 मीटर लाइन शीघ्रता से बिछाने, मरम्मत कार्य के लिए क्यारी बनाकर तराई करने एवं मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ मरम्मत का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने इसी क्षेत्र में नाले के समीप पड़े सीएंडडी वेस्ट को तत्काल उठवाने हेतु निर्देशित किया। निगमायुक्त ने चार इमली स्थित एसबीआइ कॉलोनी एवं चूना भट्टी स्थित ग्लोबस फेब सिटी के बल्क कनेक्शनों एवं मीटरों का निरीक्षण किया। साथ ही रहवासी कल्याण समिति के सदस्यों से चर्चा की और मीटर रीडिंग हेतु दो रजिस्टर संधारित करने हेतु निर्देशित किया। निगम आयुक्त ने एसबीआइ कॉलोनी के मीटर को तत्काल बदलने के निर्देश दिए।

गैस लाइन बिछाने के लिए खोदी सड़कें अपने हाल पर छोड़ी, बनी मुसीबत

भोपाल। गैस लाइन बिछाने के लिए थिंक गैस कंपनी ने शहर के कई इलाकों में सड़कों की खोदाई की, लेकिन बाद में उन्हें अपने हाल पर ही छोड़ दिया। इस कारण अब ये सड़कें लाखों लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। थोड़ी बारिश होते ही सड़कों पर कीचड़ फैल जाता है, जबकि मौसम सामान्य होने पर धूल के गुबार उड़ते रहते हैं। निगम अधिकारी भी कंपनी के रवैये से खफा है और नोटिस जारी किया है। यदि कंपनी ने मरम्मत नहीं कराई तो निगम बैंक गारंटी से सड़कों की हालत सुधारेगा। गैस लाइन बिछाने का काम लंबे समय से चल रहा है। होशंगाबाद रोड पर लाइन बिछाई गई है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सड़कें जर्जर है। सुभाषनगर में भी लाइन बिछा दी गई है। यहां पर सड़क की मरम्मत नहीं हुई है। इस कारण भेल तिराहे से प्रभात चौराहा के बीच सड़क खुदी पड़ी है। एक ओर से गहरे गड्ढे किए गए, जो पुन- नहीं भरे गए हैं।

छह माह से समस्या

सुभाष नगर में पिछले करीब छह महीने से समस्या है। जनवरी में खोदाई शुरू की गई थी। फरवरी में नर्मदा लाइन भी फूट गई थी। जिससे लाखों लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ा था। इसके बाद आगे खोदाई की गई। यह काम अब तक पूरा नहीं हो पाया है। गैराज संचालक बबलू भाई ने बताया कि खोदाई के चलते सड़क की एक लेन पूरी तरह से बंद हो गई है। इससे यातायात का दवाब दूसरी लेन पर आ गया है। इस कारण पूरे दिन जाम की स्थिति निर्मित होती है। इसके अलावा धूल के गुबार भी उड़ते रहते हैं। परेशानी हो रही है।

- पाइप लाइन बिछाने के बाद मरम्मत का काम थिंक गैस कंपनी को ही करना है। इसे लेकर कंपनी को नोटिस भी दिए जा चुके हैं। यदि जल्द काम पूरा नहीं होता है तो निगम काम करवाएगा। जिसका भुगतान बैंक गारंटी की राशि से करेंगे।

केवीएस चौधरी कोलसानी, निगमायुक्त

गार्ड के अंदर सूख गए ट्री

फोरलेन के किनारे वृक्षारोपण की औपचारिकताएं, हाइवे को फोरलेन करने पेड़ काटे, अब लगाने में उदासीनता

कटनी। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 7 पर फोरलेन सड़क का निर्माण करने के काटे गए पेड़ों के बदले नए सिरे से पेड़ लगाए जाने की दिशा से ठेका कंपनी गंभीर नहीं दिख रही है तथा फोरलेन के दोनों ओर पेड़ लगाने की औपचारिकताएं निभाई जा रही है। नेशनल हाइवे सात में फोरलेन सड़क निर्माण कार्य वर्ष 2012 में प्रारंभ कराया गया था। हाइवे के किनारे करीब दो सौ वर्ष से भी पुराने फलदार एवं छायादार पेड़ लगे हुए थे। सड़क को फोरलेन बनाने के लिए हाइवे को चौड़ा किया गया। जिसके चलते दोनों ओर लगाए गए पेड़ों को निर्माण कराने वाली कंपनी ने काट डाला। उसके बदले में अभी तक पेड़ नहीं लगाए गए हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि नेशनल हाइवे के फोरलेन सड़क निर्माण के दौरान काटे गए पेड़ों के बदले नए सिरे से पौधे नहीं लगाए जाने पर केन्द्र सरकार रिपोर्ट भी तलब कर चुकि है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक को कई बार नोटिस जारी कर चुकि है। साथ ही पेड़ काटे जाने के समय जो आश्वासन दिया गया था उस पर कार्रवाई के लिए भी कहा है। इसके बावजूद अब फोरलेन के दोनों छोर में कंपनी के द्वारा वृक्षारोपण की औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं। परिणाम यह है कि फोरलेन के किनारे वृक्षारोपण के बाद केवल ट्रीगार्ड ही नजर आ रहे हैं तथा उनके अंदर लगाए गए ट्री रख रखाव के अभाव में सूख चुके हैं।

वन विभाग नहीं कर रहा सुपरवीजन

काटे गए पुराने पौधों के बदले नए पौधे लगवाने और उसके सुपरवीजन की जवाबदेही वन विभाग को सौंपी गई थी। कागज में तो हर साल हजारों की संख्या में पौधे लगाने का दावा किया जा रहा है लेकिन मौके पर न के बराबर पौधे हैं। विभाग के अधिकारियों की इस मामले में उदासीनता साफ झलक रही है।

दस गुना पौधे लगाने का था आदेश

सड़क निर्माण करने वाली कंपनी को पेड़ काटने के बदले दस गुना पौधे लगाने के लिए आदेश जारी किए गए थे। पेड़ काटने की अनुमति के साथ ही यह भी कहा गया था कि हर वर्ष कितनी संख्या में पेड़ लगाना है। कटनी से मैहर के बीच लगभग 3000 और कटनी से सिहोरा के मध्य लगभग 2000 पेड़ काटे गए थे। इसमें आम, महुआ, अमरूद, इमली, कैथा, जामुन, करंज, ऊमर, पीपल, बरगद, यूके लिप्टस, बबूल, बेल, नीम, मेगुर, कदम, सिरसा, गुरार, किजी, कचनार, सेमरा, नीलगिरी, गुलमोहर, शीशम, सागौन, पलाश सहित अन्य पेड़ काटे गए थे। इनके बदले छायादार, फलदार, इमारती लकड़ी वाले पौधे लगाए जाने के लिए कहा गया था।

जनभागीदारी शिक्षकों को कार्य मुक्त कर देने के निर्णय का विरोध

पूरी फीस लेने के बाद भी छात्राओं की पढ़ाई से खिलवाड़

कटनी। कोविड.19 को दृष्टिगत करते हुए मध्यप्रदेश शासन द्वारा महाविद्यालय की सभी कक्षाएं ऑनलाइन लेने का निर्णय लिया गया था। कुछ दिन पहले ही सभी छात्र छात्राएं को जनरल प्रमोशन देने की बात भी कही गई लेकिन इसका मतलब तो ये नहीं की छात्राओं के ओपन बुक एग्जाम होंगे तो उन्हें अपने क्लास के सिलेब्स पढ़ाने में भी रोक लगा दी जाए। सरकार का यह निर्णय महामारी को देखते हुए लिया गया हैं लेकिन शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा जनभागीदारी शिक्षकों को कार्य मुक्त कर देने का निर्णय किस बात को दृष्टिगत करते हुए लिया गया। जब छात्राओं से पूरी फीस ली जा रही हैं जब सभी प्रक्रियाएं पहले की तरह हो रही हैं तो क्यों सिर्फ छात्राओं की पढ़ाई के साथ खिलवाड़ किया जा रहा हैं, सरकार के द्वारा ऐसा कोई आदेश तो नहीं आया था जिससे मजबूरन ऑनलाइन क्लास पर रोक लगानी पड़ जाए जबकि जिले के अग्रणी महाविद्यालय में भी ऑनलाइन क्लासेज चल रही हैं। जिला छात्रा प्रमुख मिना ठाकुर, इकाई अध्यक्ष वाणी वंदना चौबे सहित महाविद्यालय की छात्राओं का मत है कि ऑनलाइन क्लासेज एक जरिया था जिससे आगे परीक्षा की जानकारी शिक्षकों से विद्यार्थियों को मिल जाती थीए कोरो ना काल में छात्राओं की पढ़ाई अच्छे से नहीं हुई थी ऑनलाइन एक अच्छा माध्यम था पढ़ाई का किन्तु महाविद्यालय प्राचार्य डॉ आर के गुप्ता जी के द्वारा शिक्षकों को ऑनलाइन क्लासेज लेने से मना कर दिया। छात्रा रानी दुबे, निकेतन केवट, साक्षी श्रीवास्तव, प्रिया चैलानी,जूही शर्मा ने कहा है कि अब जब ओपन बुक एग्जाम की कॉपीज महाविद्यालय में जमा होंगे क्या तब जनभागीदारी शिक्षकों की सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ेगी अगर तब महाविद्यालय को जनभागीदारी शिक्षकों की आवश्यकता पड़ेगी तो हम सभी छात्राओं को भी जरूरत है शिक्षकों के मार्गदर्शन की भले हम सभी को प्रमोट किया जा रहा है किन्तु सिलेब्स का ज्ञान होना भी आवश्यक हैं और आगे कि प्रक्रिया क्या होगी उसकी जानकारी होना भी आवश्यक है।

नि :शुल्क ऑनलाइन कोचिंग देकर मिसाल पेश की युवाओं ने

यू-ट्यूब चैनल के माध्यम से संवारा हजारों छात्रों का भविष्य

कटनी। दूर-दराज इलाकों में रहने वाले और गरीब तबके के होनहार छात्रों के लिए ऑल एग्जाम प्लेस के निर्देशक रोहित खेरा और मोहित खेरा ने बड़ी पहल की है। जो स्टूडेंट शहरों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए नहीं जा सकते, उनको नि :शुल्क कोचिंग दिलाने की व्यवस्था रोहित और मोहित ने की है। वर्तमान समय में समाजसेवा करने की बात तो बहुत लोग करते होंगे लेकिन ऐसे कम ही लोग होंगे जो कि समाजसेवा की बात करने के साथ तन, मन और धन से सेवा में जुटे हुए हों।

इस बात को सही साबित कर दिखाया उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर के दों भाईयों रोहित खेरा और मोहित खेरा ने। रोहित और मोहित बताते हैं कि उनके पिताजी की सोच सेवा की थी, उनसे रोहित और मोहित ने भी प्रेरणा ली। रोहित और मोहित यूं तो वर्तमान में इंदौर में कोचिंग संचालक हैं लेकिन समाजसेवा के लिए रोहित और मोहित खेरा ऑल एग्जाम प्लेस नाम से यूट्यूब चेनल बनाया है। रोहित व मोहित कें यूट्यूब चैनल पर लगभग 1 लाख छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमे से लगभग 2 हजार से अधिक छात्र चयनित होकर शासकीय विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रोहित एवं मोहित ने छात्र.छात्राओं से आग्रह किया है कि ऑल एग्जाम प्लसे चैनल से जुड़कर वे भी शासकीय सेवा के क्षेत्र में अपना योगदान दे सकते है। इस चेनल में पूर्ण रूप से निशुल्क पढ़ाया जाता है। यहां पर आने वाले सभी छात्र.छात्राओं को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क कोंचिग मिलती है।

खास बात यह है कि यहां पर बच्चों को कोचिंग के दौरान करंट नोट्स के साथ.साथ पेपरलेस नोट्स भी मिलते हैं। यहां पर आने वाले बच्चों की माने तो अन्य कोचिंग इंस्टीट्यूटस की तरह यहां पर भी सभी विषयों की पढ़ाई होती है। यहां से निकलने वाले छात्र.छात्राओं को भी वे यही आग्रह करते हैं कि इसी तरह वे भी किसी को निशुल्क पढ़ाएं और आगे बढ़ाएं। मिशन के निदेशक रोहित खेरा एवं मोहित खेरा कहते हैं. हम अपने पैरों पर खड़े हैं और दूसरों की इस तरह मदद कर सकते हैं। हमारे यहां से निकले हुए स्टूडेंट भी दूसरों की मदद कर रहे हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

कलेक्टर एसपी ने रोपा पीपल का पौधा

जागृति पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम

कटनी। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी की उपस्थिति में कटनी पर्यावरण संधारण समिति एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा वृहद पौधारोपण कार्यक्रम जागृति पार्क में संपन्न हुआ। कलेक्टर एवं एसपी ने अधिकतम ऑक्सीजन देने वाला पीपल का पौधा रोपित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी त्रिवेणी के रूप में बरगद, पीपल और आंवला के पौधों का रोपण किया। पौधारोपण के पश्चात कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने संस्थाओं के प्रतिनिधियों को अंकुर कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण कर उसके साथ फोटो या सेल्फी लेकर अपने मोबाइल में वायुदूत एप डाउनलोड कर उस के माध्यम से फोटो या सेल्फी उसमें भेजने संबंधी प्रक्रिया समझाते हुए पूर्ण जानकारी दी, जिसके तहत स्वयं द्वारा रोपे गए पौधे का संरक्षण करने पर मप्र शासन द्वारा मुख्यमंत्री के कर कमलों से सम्मानित करने की योजना की जानकारी दी। इस अवसर पर मेडिकल एसोसिएशन, ओबीएसगेन सोसायटी, भू जल संचय संस्था, जय शिव सेवा संस्था के साथ ही अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और उन्होंने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में जागृति संस्था की अध्यक्ष डॉ उमा निगम, कटनी पर्यावरण संधारण समिति के सचिव डॉ राजेंद्र गुप्ता, जाकिर हुसैन, लक्ष्मीकांत भारद्वाज, डॉ वंदना गुप्ता, डॉ. पूनम बजाज, जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक बालमुकुंद मिश्र की उपस्थिति रही।

जागरुकता रथ कर रहे ग्रामीणों को जागरुक

397 ग्राम पंचायतों में पहुंचे जागरुकता रथ

कटनी। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना टीकाकरण के प्रति जनजागरुकता के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसी के तहत जिले के समस्त 6 विकासखण्डों के लिये अलग-अलग टीकाकरण जागरुकता रथ संचालित किये जा रहे हैं। यह रथ ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर कोरोना टीकाकरण के लाभ की जहां जानकारी दे रहे हैं, वहीं आम जन में टीकाकरण को लेकर व्याप्त भ्रामक सूचनाओं का निदान भी किया जा रहा है। अब तक जिले की 397 ग्राम पंचायतों मे पहुंचकर जागरुकता रथ के द्वारा कोरोना टीकाकरण और स्वच्छता के प्रति जनजागरुकता का संदेश दिया गया है। इनमें बड़वारा विकासखण्ड की 66 ग्राम पंचायतों में जनजागरुकता की गतिविधियां आयोजित की गई है। इसी प्रकार बहोरीबंद विकासखण्ड की 69 ग्राम पंचायतों, ढीमरखेड़ा विकासखण्ड की 73 ग्राम पंचायतों, कटनी विकासखण्ड की 59 ग्राम पंचायतों, रीठी विकासखण्ड के 56 ग्राम पंचायतों और विजयराघवगढ़ विकासखण्ड की 74 ग्राम पंचायतों के में जनजागरुकता के माध्यम से टीकाकरण के प्रति ग्रामीणों को प्रेरित करने गतिविधियों का आयोजन रथों के माध्यम से किया गया है। इसके साथ ही रैपिड रिस्पॉन्स टीम के द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों में वेक्सीनेशन के प्रति ग्रामीण को जागरुक किया जा रहा है। अपने विजिट में आरआर टीम के मेम्बर ग्रामीणों को टीकाकरण के फायदे के विषय में बता रहे हैं। साथ ही उनके प्रश्नों का जवाब भी दे रहे हैं।

जागरुकता की मिसाल बने पिपरिया परौहा के वाशिंदे

कटनी। कोरोना संक्रमण की इस लड़ाई में टीकाकरण ही आपका सुरक्षा घेरा है। यह सुरक्षा कवच सभी अपनायें और अपनी जिम्मेदारी निभायें। यह सन्देश जिला प्रशासन द्वारा जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस कड़ी में जागरुकता की मिसाल बन कर अब सामने आई है रीठी विकासखण्ड की पिपरिया परौहा ग्राम पंचायत। पंचायत वासियों में टीकाकरण को लेकर उत्साह और जूनून इतना रहा कि, जैसे ही वहां एक दिन का वेक्सीनेशन कैम्प रखा गया, तो निर्धारित लक्ष्य के अनुरुप टीके महज 3 घंटो में लग गये। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से और वेक्सीनेशन की डोज उपलब्ध कराने की मांग ग्रामवासियों द्वारा की गई। जिस पर और वेक्सीन डोज वहां के लिये उपलब्ध कराई गईं और वो लक्ष्य भी शत-प्रतिशत पूरा हुआ। आज जहां बहुत से लोग भ्रामक जानकारियों में उलझकर टीकाकरण नहीं करा रहे हैं, कतरा रहे हैं, वहीं इस ग्राम पंचायत में 45 वर्ष एवं उससे अधिक आयुवर्ग के सभी लोगों ने शत-प्रतिशत टीकाकरण कराया है। जिले में बम्हौरी गांव के साथ ही अब पिपरिया परौहा ग्राम पंचायत मील का वो पत्थर बनकर सामने आई है, जो टीकाकरण को लेकर बेजोड़ उदाहरण है। ग्राम पंचायत पिपरिया परौहा के सचिव प्रकाश चौधरी और जीआरएस अमर बहादुर ने प्रसन्न मुद्रा में इसकी जानकारी दी। दोनों ने बताया कि हमें खुशी है कि हमारी ग्राम पंचायत में पहले दिन से ही जब कोरोना का टीका हेल्थ केयर वर्कर्स और फ्रंट लाईन वर्कर्स को लग रहा था, तब से उत्साह था। इसी का परिणाम रहा कि जैसे ही 60 या उससे अधिक आयु के और 45 व उससे अधिक आयुवर्ग के लिये टीकाकरण प्रारंभ हुआ, तो हमारी ग्राम पंचायत के लोगों ने बढ़ चढ़कर खुद टीकाकरण कराया। जागरुकता का स्तर आप इस बात से आंक सकते हैं कि जिन्हे टीके से भय था, उनके घर जाकर टीकाकरण कराने वालों ने उन्हें प्रेरित किया और उनका टीकाकरण कराया। ग्राम पंचायत पिपरिया परौहा में 45 या उससे अधिक आयुवर्ग के 314 और 60 व उससे अधिक आयुवर्ग के 259 लोग हैं। इन सभी को कोरोना का टीका लग चुका है। जहां कुछ को टीके का पहला डोज लगा है, वहीं कुछ लोगों को दोनों ही डोज का टीकाकरण हो चुका है। 18 या उससे अधिक आयुवर्ग के 1253 लोग हैं। इनका भी टीकाकरण हो रहा है। अब तक लगभग 350 लोगों ने स्वेच्छा से टीकाकरण करा लिया है। 400 से अधिक लोग पंजीयन भी करा चुके हैं।

सोडियम हाईपोक्लोराइड घोल से सैनेटाईजेशन

कटनी। अनलॉक के दौरान बाजारों को खुलनें के दौरान नागरिकों की सुरक्षा एवं कोरोना महामारी के संक्रमण के प्रसार को पूर्ण रूप से समाप्त करनें के उद्धेश्य से निगम प्रशासन के सैनेटाइजेशन अमले द्वारा नगर के विभिन्न रहवासी/सार्वजनिक में रोजाना सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल से युद्वस्तर पर छिडकाव किया जा रहा है। सैनेटाईजर प्रभारी अभिषेक बघेल एवं पंकज निगम ने जानकारी देते हुए बताया कि संक्रमण के प्रसार को समाप्त करनें हेतु आज जारी सेनेटाईजेशन अभियान के तहत नगर के विभिन्न स्थलों बिरसा मुण्डा वार्ड में मीरा धाम कॉलोनी के विभिन्न स्थलों, शंकर टॉकीज के पास स्थित शालीमार मॉर्केट, स्टेशन रोड मॉल गली, झूलेलाल मार्केट, कुठला थाना, गांधी द्वार से सुभाष चौक तक के मुख्य मार्गो, साधूराम स्कूल, सरस्वती स्कूल, गुरूनानक वार्ड बरही रोड स्थित बडा कुंआ के पास, जंगल दफ्तर, नई बस्ती बच्चन नायक गली, फारेस्टर वार्ड स्थित जयहिन्द चौक से रधुनाथ मंदिर तक के मुख्य मार्ग, सुदर्शन बाल मंदिर गली, भरत चौक गली, काली माता मंदिर गली, मुक्तिधाम रोड, बारडोली कॉलेज, गढडा टोला, भीमराव चौक गली, खेरमाता मंदिर गली सहित वंशस्वरूप वार्ड के विभिन्न स्थलों पर सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव का कार्य किया गया। नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों सायना कोविड केयर, बालक छात्रावास राय कॉलोनी जिला चिकित्सालय परिसर, नगरनिगम उपकार्यालय जोन ऋमांक -1 ऑडिटोरियम परिसर, जोन ऋमांक-2 खिरहनी आंगनबाडी परिसर, जोन ऋमांक -3 टी.सी.बजान स्कूल परिसर, जोन ऋमांक 4 उपकार्यालय माधवनगर, पंजाबी घर्मशाला, उपस्वास्थ्य केन्द्र माधवनगर सहित पुराना जिला न्यायालय कचहरी परिसर वैक्सीनेषन केन्द्र, अंजूमन इस्लामिया स्कूल, कोविड जांच केन्द्र जैन स्कूल, दीनदयाल अन्त्योदय रसोई केन्द्र, मुख्य रेल्वे स्टेषन, मुडवारा रेल्वे स्टेषन परिसर, सहित नगर के अन्य स्थलों मे सोडियम हाईपोक्लोराईड के घोल का छिडकाव कराया जाकर स्थलों को विसंक्रमित करनें की कार्यवाही की गई।

म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड

कार्यालय का नामः- कार्यपालन अभियंता (शहर संभाग) कटनी

1912

क्र./कार्य.अभि./शहर/विज्ञा./195 — कटनी, दिनांक-04.05.2021

विद्युत प्रदाय बंद करने की सूचना

माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि. शहर संभाग कटनी के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. फीडरों में प्री-मानसून पूर्व लाईन मेंटनेंस एवं आवश्यक रख-रखाव कार्य किया जाना है। उक्त कार्य हेतु निम्नानुसार दिनांकों में समय-सुबह 9:30 बजे से दोप. 14:30 बजे बिजली आपूर्ति बंद रखी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर समयावधि घटाई-बढ़ाई जा सकती है। उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है।

आपूर्ति बंद रहने का दिनांक/दिन	33/11 के.व्ही.फीडर/प्रभावित क्षेत्र	संबंधित अधिकारी का नाम	मोबाईल नम्बर
06.06.2021 रविवार	(11 के.व्ही.फीडर सिटी-7 के अंतर्गत) मिशन चौक, चाण्डक चौक, शेर चौक, गाटरघाट,कचेहरी एवं 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े समस्त क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।	श्री आदित्य परस्ते कॉल सेंटर, गणेश चौक	9425807546
07.06.2021 सोमवार	(11 के. व्ही. फीडर एन.के.जे. के अंतर्गत) उड़िया मोहल्ला, जैन कॉलोनी छपरवाह, मंगल नगर, बिलगवां, नया गांव, मेन मार्केट एवं 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े समस्त क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।	श्री आदित्य परस्ते कॉल सेंटर, एन.के.जे.	9425807551
08.06.2021 मंगलवार	(11 के.व्ही. फीडर समदड़िया-1, समदड़िया-2 के अंतर्गत) समदड़िया कॉलोनी एवं 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े समस्त क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।	श्री आदित्य परस्ते कॉल सेंटर,माधवनगर	9425807554
09.06.2021 बुधवार	(11 के.व्ही. फीडर सिटी-3 के अंतर्गत) शांति नगर, कुंदनदास, माधवनगर थाना, टिकुरी, लखेरा एवं 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े समस्त क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।	श्री आदित्य परस्ते,कॉल सेंटर गणेश चौक, माधवनगर	9425807546 9425807554
10.06.2021 गुरुवार	(33 के.व्ही. फीडर स्लीमनाबाद के अंतर्गत) एच.टी. उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।	श्री आदित्य परस्ते कॉल सेंटर, माधव नगर	9425807554
11.06.2021 शुक्रवार	(11 के.व्ही. फीडर सिटी-5 एवं सिटी-6 के अंतर्गत) पन्ना मोड़, कुशवाहा नगर, चाण्डक चौक,नई बस्ती गर्ग चौराहा, आधार कॉप एवं 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े समस्त क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।	श्री आदित्य परस्ते,कॉल सेंटर गणेश चौक	9425807546
12.06.2021 शनिवार	(11 के.व्ही. फीडर गायत्री नगर के अंतर्गत) गायत्री नगर, मित्र बिहार कॉलोनी, शास्त्री कॉलोनी एवं 11 के.व्ही. फीडर से जुड़े समस्त क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।	श्री आदित्य परस्ते,कॉल सेंटर गणेश चौक, एन.के.जे.	9425807546 9425807551

नोट :- उच्चदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दिनांकों में विद्युत प्रदाय बंद होने पर आपसे अनुरोध कि अपनी वैकल्पिक व्यवस्था करने करने का कष्ट करें।

विद्युत संबंधी सभी शिकायतों को 1912 निःशुल्क नं. पर दर्ज करावें

कार्यपालन अभियंता (शहर संभाग)
म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लिमि. कटनी

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन:- 230033

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला-कटनी म0प्र0

क्रमांक/विकास/2021-22/3292 — कटनी दिनांक 28/05/21

निविदा आमंत्रण सूचना

जिला स्वास्थ्य समिति कटनी की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने हेतु निविदा आफलाईन पद्धति के माध्यम से परियोजना यंत्री पी0आई0 यू0 लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन एवं विद्युतीकरण एस0औ0आर0 01/12/2020 निविदा जारी होने तक किये गये संशोधनो सहित प्रपत्र-अ फार्म से प्रतिशत आधार पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है-

क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि रूपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1.	जिला चिकित्सालय कटनी में 8 विस्तरीय कोविड-19 आई0सी0यू0 का मेडिकल गैस पाईप लाईन कार्य	1124529.00	22491.00	2000.00	15 दिवस	लोक निमार्ण विभाग में पंजीकृत ठेकेदार

1. कार्य से संबंधित प्रपत्र- अ एवं एनआईटी कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कटनी से प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कटनी से दिनांक 03.06.2021 से दिनांक 10.06.2021 प्राप्त की जा सकती है।
3. एनआईटी में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जायेगा।
4. आवश्यक अभिलेख कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कटनी में समस्त प्रपत्रों सहित दिनांक 11.06.2021 सायं 5:00 बजे तक स्पीड /रजिस्टर्ड डाक द्वारा कार्यालय में जमा किये जा सकते है।

G12980/21 — दो गज की दूरी, मास्क है जरुरी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला-कटनी

इकोसिस्टम रेस्टोरेशन से सबक लें

हमारे जीवन में कई चीजों का महत्व है, जिसमें से एक हमारा पर्यावरण भी है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करें, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि इंसान ही सबसे ज्यादा पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। पेड़ों की कटाई से लेकर घने जंगलों को सपाट बनाने जैसे कई काम इंसानों ने ही किए हैं। हर साल काफी बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाते हैं जो कि पूरी तरह गलत है। ऐसे में विश्व पर्यावरण दिवस हमें इन सब चीजों के दुष्प्रभाव के बारे में बताने और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का काम करता है। लोगों को हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरित करने, पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और सचेत करने के उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। हर साल इस दिन को मनाने के लिए एक थीम रखी जाती है, जिसके आधार पर ही इस दिन को मनाया जाता है। ठीक ऐसे ही इस साल 2021 में भी इस दिन के लिए थीम रखी गई है। तो चलिए जानते हैं इस साल की थीम से लेकर इस दिन को मनाने के तरीकों के बारे में।

ऐसे हुई थी शुरुआत

दरअसल, साल 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में इस दिन को लेकर चर्चा की गई। वहीं, इसके बाद 5 जून 1974 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसके बाद हर साल 5 जून को प्रकृति का ये दिन मनाया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी विश्व पर्यावरण दिवस के लिए थीम रखी गई है और साल 2021 की थीम पारिस्थितिकी तंत्र बहाली है। पारिस्थितिक तंत्र की बहाली कई रूप में हो सकती है, जैसे- पेड़ उगाना, शहर को हरा-भरा करना, बगीचों को फिर से बनाना, नदियों और तटों की सफाई करना आदि। हर किसी को इस दिन पर्यावरण की बहाली का संकल्प लेना चाहिए।

प्रकृति का ये खास दिन

पर्यावरण से ही हम हैं

इस बात से बिल्कुल इंकार नहीं किया जा सकता कि संपूर्ण मानवता का अस्तित्व प्रकृति पर ही निर्भर है। इसलिए हमें समय रहते एक स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण की कल्पना करनी चाहिए। प्रकृति को बचाने के लिए सिर्फ एक अकेला व्यक्ति काफी नहीं है, ऐसे में हम सब को मिलकर कुछ संकल्प लेने होंगे जिनसे हम अपने पर्यावरण को फिर से हरा-भरा कर सके। हर किसी को साल में कम से कम एक या दो बार एक पौधे जरूर लगाने चाहिए और उनकी देखरेख भी करनी चाहिए। साथ ही ये संकल्प लेना चाहिए कि वो नदी, तालाबों और पोखर को प्रदूषित नहीं करेंगे। इसके अलावा कूड़े-कचरे को कहीं भी फेंकने की जगह पर उसे कूड़ेदान में ही डालें, ताकि आप पर्यावरण की रक्षा कर पाएं।

2021 पर्यावरण थीम–

ऐसे मना सकते हैं इस दिन को

1. आप पेड़-पौधे लगा सकते हैं। घर के आसपास, घर की छत पर, घर की बालकनी में, गार्डन में आदि।

2. आप ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित कर सकते हैं या फिर लोगों को अपने संदशों के जरिए पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

3. परिवार का हर सदस्य एक-एक पौधा लगा सकता है और साथ ही ये काम दोस्त लोग भी मिलकर कर सकते हैं, ताकि आपके आसपास पेड़ों की संख्या बढ़ाई जा सके जो आज के दौर में बेहद जरूरी है।

4. ऑनलाइन/सोशल मीडिया के जरिए लोगों से इस दिन बात कर सकते हैं, उन्हें पर्यावरण के बारे में बता सकते हैं, उन्हें बता सकते हैं कि पेड़ लगाना क्यों जरूरी है आदि।

5. पौधे लगाना ही काफी नहीं है। इसलिए जो भी पौधा आप लगाएं उसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी उठाएं।

भरपूर ऑक्सीजन देकर पर्यावरण शुद्ध रखते पेड़

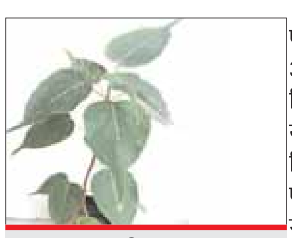

पेड़-पौधे जीवंत शक्ति से भरपूर प्रकृति के ऐसे अनुपम उपहार हैं जो सभी को प्राणवायु ऑक्सीजन तो देते ही हैं, पर्यावरण को भी शुद्ध और संतुलित रखते हैं। इतना ही नहीं वास्तुदोष निवारण में, बीमारियों को ठीक करने में एवं उत्तम स्वास्थ्य संरक्षण में वृक्ष-वनस्पतियों का योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता हैं। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्षारोपण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, इन्हें लगाना हमारे लिए हर हाल में लाभकारी हैं। पेड़ों द्वारा बनाने वाली ऑक्सीजन के कारण ही हम ज़िंदा रहते हैं। भारत में इस समय कोरोना महामारी का कहर जारी है। ऑक्सीजन की कमी कई मरीजों की मौत की वजह बन रही है। ऐसे हालातों में सभी को ये बात समझनी चाहिए कि पर्यावरण का संरक्षण ही हमारे जीवन का सुरक्षा कवच है। पर्यावरण दिवस के मौके पर हमें पर्यावरण की सुरक्षा

पीपल

पीपल के पेड़ के साथ कई धार्मिक भावनाएं जुड़ी होती है। मान्यता है कि इसकी जड़ में श्री विष्णु, तने में भगवान शंकर तथा अग्रभाग में साक्षात ब्रह्माजी निवास करते हैं। पीपल के पेड़ का विस्तार, फैलाव और ऊंचाई बहुत अधिक होती है। यह पेड़ अन्य पेड़ों के मुकाबले ज्यादा ऑक्सीजन देता है यानि करीब 22 घंटे से भी ज्यादा समय तक ऑक्सीजन देता है। दिन-रात ऑक्सीजन देने अर्थात जीवन दायिनी वायु देने के कारण इस वृक्ष को भगवान विष्णु का प्रतीक माना गया है। बौद्ध धर्म में इसे बोधी वृक्ष के नाम से जानते हैं, मान्यता है कि इसी पेड़ के नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। सबसे ज्यादा ऑक्सीजन देने ह्के कारण पर्यावरणविद पीपल का पेड़ लगाने की सलाह देते हैं।

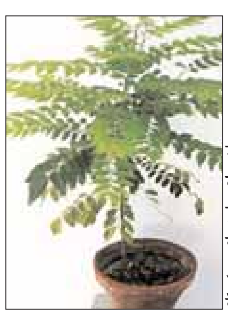

नीम

नीम के पेड़ में संक्रमण का खात्मा करने के गुण मौजूद हैं। एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर नीम का वृक्ष दूषित वायुमंडल को शुद्ध कर स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करता है। इसकी पत्तियों की बनाबट ऐसी होती है कि नीम का एक स्वस्थ बड़ा पेड़ बहुत अधिक मात्रा में ऑक्सीजन उत्पादित कर सकता है। इसलिए हमेशा ज्यादा से ज्यादा नीम के पेड़ लगाने की सलाह दी जाती है, इससे आसपास की हवा हमेशा शुद्ध रहती है बीमारियों को दूर रखने वाले नीम के पेड़ को एवरग्रीन ट्री भी कहा जाता है और पर्यावरणविदों की मानें तो यह पेड़ एक नैचुरल एयर प्यूरीफायर है जो प्रदूषित गैसों जैसे कार्बन डाई ऑक्साइड, सल्फर और नाइट्रोजन को हवा से सोख कर पर्यावरण में ऑक्सीजन को छोड़ता है।

बरगद

भारत का राष्ट्रीय वृक्ष होने साथ ही इस वृक्ष को हिन्दू धर्म में बहुत पवित्र भी माना जाता है। धार्मिक आस्थाओं के साथ-साथ यह वृक्ष पर्यावरण के संरक्षण और उसको साफ सुथरा बनाए रखने में भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बरगद के पेड़ और इसकी पत्तियों में कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की सबसे ज्यादा क्षमता होती है। पीपल के सामान ही यह वृक्ष भी बहुत अधिक मात्रा में ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। इसलिए बरगद का वृक्ष भी पर्यावरण के लिए किसी वरदान से कम नहीं।

अशोक

शुभ एवं मंगलकारी वृक्ष के रूप में अशोक के वृक्ष का वर्णनं ब्रह्मवैवर्त पुराण सहित अनेकों धर्मशास्त्रों में किया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस वृक्ष को शोक हरने वाला माना गया है। पर्यावरण की दृष्टि से देखें तो अशोक का हरा-भरा पेड़ न सिर्फ ऑक्सीजन उत्पादित करता है बल्कि इसके फूल पर्यावरण को सुंगधित रखते हैं और उसकी खूबसूरती को बढ़ाते हैं। अशोक का पेड़ लगाने से न केवल वातावरण शुद्ध रहता है बल्कि उसकी सुंदरता से सकारात्मक माहौल रहता है। घर में अशोक का पेड़ वातावरण को शुद्ध रखता है और इस पेड़ की मुख्य विशेषता यह है कि यह पेड़ जहरीली गैसों के अलावा हवा के दूसरे दूषित कणों को भी सोख लेता है।

बांस

पर्यावरण के लिहाज से अनुकूल बांस सबसे तेज बढ़ने वाला पेड़ या घास है। यह पर्यावरण संरक्षण में भी काफी अहम भूमिका निभाता है। बांस ऐसा पौधा है जिसकी पत्तियां ही नहीं बल्कि तना भी आक्सीजन देता है। बांस का पेड़ हवा को फ्रेश करने के काम में भी आता है। माना जाता है कि बांस का पेड़ अन्य पेड़ों के मुकाबले 30 फीसदी अधिक ऑक्सीजन छोड़ता है।

पौधे लगाने से भी बदलता है भाग्य

सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए राशि के अनुसार लगाएं पौधे

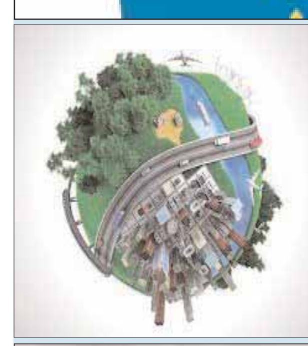

05 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। सनातन धर्म में आदिकाल से ही पेड़-पौधों की पूजा और इनके लिए उपवास रखने की परंपरा है। हिंदू पंचांग के अनुसार कई व्रत और त्योहार पेड़-पौधों की विशेष रूप से पूजा के प्रति समर्पित है। हिंदू धर्म में वृक्षों को देवी-देवता के रूप में पूजने की परंपरा सदियों से आज भी निभाई जा रही है। हिंदू धर्म में लगभग हर त्योहार में देवी-देवताओं की पूजा आराधना के साथ पेड़ पौधों की भी भक्ति भाव से साथ पूजा जाता है। इससे पीछे प्रकृति के संरक्षण का संदेश होता है। वृक्ष ही ऐसी सम्पदा है जो मनुष्य को हर प्रकार से लाभ पहुंचाते हैं, इनके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति की राशि किसी न किसी वृक्ष का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए व्यक्ति के राशिनुसार पेड़ लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं वास्तु में पौधे रोपण से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह देखने को मिलता है। आइए जानते हैं राशिनुसार कौन से पौधे लगाने से आपको अच्छे फल की प्राप्ति होगी।

मेष और वृश्चिक राशि

इन दोनों राशियों के स्वामी मंगल हैं। अत: इन राशि के जातकों के लिए लाल चंदन, अनार, नीबू, तुलसी खैर, नीम और बरगद का पेड़ लगाना चाहिए।

वृषभ और तुला राशि

वृषभ और तुला राशि के स्वामी शुक्रदेव हैं। जन्म कुंडली में शुक्र ग्रह की प्रसन्नता के लिए इस राशि के जातकों को अपने राशि स्वामी शुक्र के अनुसार गूलर, चमेली, मोगरा, नीबू, लताएं और पलास के पेड़ लगाने चाहिए।

मिथुन और कन्या राशि

मिथुन और कन्या राशि के स्वामी बुध होते हैं। अत: इस राशि के जातकों के किए आम, कटहल, अंगूर, बेल और गुलाब के पौधे लगाना शुभ होगा।

कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं। इस राशि से संबंधित लोगों को पलाश, सफ़ेद और पिंक गुलाब, चांदनी, मोगरा और गेंदा के पौधे लगाना उत्तम है।

सिंह राशि

इस राशि के स्वामी सूर्य हैं। अत: इस राशि वाले लोगों को अपामार्ग, लाल गुलाब, लाल गेंदा, नीम, गुड़हल और लाल चन्दन का पेड़ लगाना फलदाई है।

धनु और मीन राशि

इस राशि के स्वामी बृहस्पति हैं। इनकी अशुभता में कमी और शुभता में वृद्धि के इस राशि के जातकों को पीपल, बरगद, पपीता और पीले चन्दन का पेड़ लगाना चाहिए।

मकर एवं कुंभ राशि

इस राशि के स्वामी सूर्यपुत्र शनिदेव हैं। जन्म कुंडली में शनि के अशुभ प्रभाव में कमी तथा शुभ प्रभाव में वृद्धि के लिए इस राशि के जातकों को शनि देव का प्रिय पेड़ शमी, तुलसी, पीपल, सतावर और अमरुद का पेड़ लगाना चाहिए।

कोरोना ने सिखाया हमें पर्यावरण का महत्व

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कई कार्यक्रमों के जरिए प्रकृति को संरक्षित रखने और इससे खिलवाड़ न करने के लिए जागरूक किया जाता है। इस दिन लोगों को जागरूक करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए लोगों को पेड़-पौधे लगाने, पेड़ों को संरक्षित करने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरूक किया जाता है। इस बार हम सब को मिलकर पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लेकर उस दिशा में काम करना प्रारम्भ करना चाहिए।

पर्यावरण दिवस पूरी दुनिया में पिछले साल मना

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। पिछले वर्ष देश की जनता को लॉकडाउन के कारण बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है, मगर लॉकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। जाहिर है उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था, जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। मगर गत वर्ष देश में लंबे समय तक लाकडाउन के चलते बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। कोलकाता के बाबू घाट में तो उस समय लोगों ने 30 वर्ष बाद डॉल्फिन मछलियों को उछलते हुए देखा था। यह कोलकाता वासियों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी। वैज्ञानिकों के अनुसार गंगा का पानी साफ होने की वजह पानी में घुले डिसाल्वड की मात्रा में आई 500 प्रतिशत की कमी थी। गंगा में गिरने वाले सीवर और अन्य प्रदूषण में कमी की वजह से पानी साफ हुआ था। पिछले 25 वर्षों में यमुना नदी की सफाई पर करीबन पांच हजार करोड रुपए खर्च हो चुके थे। फिर भी नदी का पानी साफ नहीं हो पाया था। मगर पिछले साल लॉकडाउन के चलते जो काम हजारों करोड़ रुपए खर्च करके 25 साल में सम्भव नहीं हो पाया वह मात्र दो महीने में अपने आप ही हो गया था।

लॉकडाउन के चलते नदियां भी साफ हुईं

कोरोना संकट और लॉकडाउन

कोरोना संकट को लेकर दुनिया के अधिकांश देशों में लाकडाउन के कारण सब कुछ बंद रखना पड़ा था। दुनिया भर में लोग अपने घरों में कैद होकर रह गए थे। भारत में भी लंबे समय तक लाकडाउन चला था। कोरोना की दूसरी लहर के चलते अभी भी देश में अधिकांश स्थानो पर लॉकडाउन चल रहा है। लॉकडाउन के कारण देश में बहुत से कल कारखाने, औद्योगिक संस्थान, व्यवसायिक गतिविधियां बंद हो गईं। लाकडाउन के कारण सभी तरह की गतिविधियां बंद होने से लोगों ने बरसों बाद देश के बड़े शहरों में उन्मुक्त भाव से पशु पक्षियों को विचरण करते देखा है। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है, जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और ब्रेन पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं। मगर लाकडाउन के चलते प्रदूषण कम होने की वजह से देश में होने वाली मौतें भी कम हुई है। वहीं लोगों के बीमार होने की दर में आश्चर्यजनक ढ़ंग से कमी देखने को मिल रही है। देश में लाकडाउन से बदलाव की बढ़ी संभावनाएं अब साफ नजर आ रही है। लोग अपनी सेहत को लेकर अब पहले से अधिक सचेत हो गए हैं।

इस बार की थीम पारिस्थितिकी तंत्र बहाली निर्धारित की गई है

विश्व पर्यावरण दिवस के लिए थीम

हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। इस बार की थीम पारिस्थितिकी तंत्र बहाली निर्धारित की गई है। इस दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम इसी थीम पर आधारित होंगे। पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली पर पेड़-पौधे लगाना, बाग-बगीचों को तैयार कर उनको संरक्षित करना, नदियों की सफाई करना जैसे कई तरीकों से काम किया जा सकता है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है।

इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है।

हमारी परंपरा और पर्यावरण

पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ों को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था, ताकि उन्हें कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिए उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गांवों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रूप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पेड़ों के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढ़ियों को उठाना पड़ेगा, इसलिए हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पाएंगे, तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापारी दिखा रहे समझदारी

शहर के बाजारों में सतर्कता जरूरी

जबलपुर यश भारत ।शुक्रवार को प्रशासन द्वारा बाजार क्षेत्र में एक तरफ की दुकान खोलने की छूट दिए जाने के बाद बाजार में बेपरवाही और लापरवाही देखी गई जो संक्रमण को न्योता देती दिख रही थी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जिन व्यापारिक गतिविधियों को छूट मिली हुई है सिर्फ वही दुकान खुलीं, बाकी दुकान बंद रही। शासन के आदेश पर व्यापारियों के साथ –साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों द्वारा भी कोरोना के प्रति सजगता दिखाई जा रही है। जबकि शहरी क्षेत्र में महामारी की सबसे ज्यादा मार पड़ी वहां सबसे ज्यादा लापरवाही हो रही है।

करना पड़ रही सख्ती

जबकि प्रशासन द्वारा सभी नियम स्पष्ट कर दिए गए हैं उसके बाद भी शहरी क्षेत्रों में जबरन बाजार खोलने की समस्या कई जगह से सामने आ रही है। जहां पुलिस को सख्ती करनी पड़ रही है गौरतलब है कि व्यापारी संगठनों की मांग पर ही बाजारों को समय से पहले खोला गया था लेकिन उसके बाद भी कुछ व्यापारी नियमों का उल्लंघन करते हुए उनकी बारी ना होने पर भी दुकान खोल रहे हैं। जिसको लेकर बार–बार पुलिस को समझाएं देनी पड़ती है और मजबूरन कई जगह कार्यवाही भी रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में एक दो घटनाओं को छोड़ दे तो अमूमन सभी तहसील क्षेत्र बंद है।

कोतवाली-लॉर्डगंज क्षेत्र की 14 दुकानें सील

जबलपुर,यशभारत। कोरोना संक्रमण की गाइडलाइन के तहत शहरभर के बाजारों के लिए लेफ्ट–राईट का फॉर्मूला कलेक्टर कर्मवीर शर्मा द्वारा लागू किया गया है। कोरोना कर्फ्यू में दी गई छूटों एवं प्रतिबन्धों का सख्ती से पालन कराने आज शनिवार को कोतवाली एवं लॉर्डगंज थाना क्षेत्र में प्रशासन और पुलिस की सयुंक्त कार्यवाही में चौदह दुकानों पर धारा 188 के प्रकरण दर्ज किये गये हैं ।ये दुकानें लेफ्ट–राईट फामूर्ले का उल्लंघन कर क्रम नहीं होने के बावजूद खोली गई थी । नायब तहसीलदार आधारताल सन्दीप जायसवाल के अनुसार इन दुकानों में मछरहाई स्थित आशू गारमेंट्स, शंकर घी भंडार के पास स्थित तनवे साड़ी सेंटर, निवाड़गंज स्थित सचिन किराना एवं नितिन किराना स्टोर्स, निर्मल सागर क्लॉथ स्टोर्स, सूर्या होटल के सामने स्थित भवानी जनरल स्टोर्स एवं सुपर मार्केट गंजीपुरा स्थित अजंता इलेक्ट्रिकल्स के अलावा चाय–नाश्ता, पान, पूजन सामग्री, किराना, जूते–चप्पल और हार्डवेयर सामग्री की दुकानें शामिल हैं। नायब तहसीलदार आधारताल ने बताया कि आदेश का उल्लंघन कर खोली गई सभी चौदह दुकानों को सील कर दिया गया है ।

अधारताल की 7 दुकानों पर 188 की कार्रवाई

इसी के तहत अधारताल स्थित 7 दुकानों में गाइडलाइन का पालन नहीं करने पर नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी ने 188 की कार्रवाई की है। ये सभी दुकानें लेफ्ट–राईट फामूर्ले के मुताबिक आज उनका क्रम नहीं होने के बावजूद खुली पाई गई थी ।इन दुकानों में पाठक जूस सेंटर, सान्या सौन्दर्य प्रसाधन, डेली नीड्स, ओम कंस्ट्रक्शन ट्रेडर्स, साहू साड़ी, साहू किराना एवं सेजल बैंगल स्टोर्स शामिल हैं ।कार्यवाही नायब आधारताल संदीप जायसवाल थाना प्रभारी अधारताल शैलेष मिश्रा द्वारा की गई मौजूद थे ।

कार्रवाई के दौरान तीखी बहस

पदेन अधिकारियों द्वारा गाइडलाइन के उल्लंघन के चलते कार्रवाई करने की बात की गई, तो व्यापारियों का एक वर्ग इस कार्रवाई से उखड़ गया और बहस करने लगा। लेकिन क्षेत्रीय नागरिकों व अन्य व्यापारियों ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए जैसे–तैसे मामला शांत कराया। विदित हो कि कोरोना काल के भीषण विद्धंस के बाद प्रशासन द्वारा तय मानकों के आधार पर ही बाजारों को छूट दी जा रही है, लेकिन बावजूद इसके नागरिकों और कुछ व्यापारियों द्वारा गाइडलाइन का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। ऐसे में यदि कोरोना की थर्ड बेस आई तो स्थिति नाजुक हो सकती है।

कल से दौड़ने लगेंगी जनशताब्दी व विंध्याचल एक्सप्रेस

जबलपुर यश भारत। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कम होते ही, यात्रियों की सुविधाओं के लिए रेलवे द्वारा बंद की गई गाड़ियों को पुन: प्रारंभ कर रहा है ।इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा जबलपुर मंडल की लोकप्रिय दो तथा भोपाल मंडल की एक गाड़ी को पुन: प्रारंभ करने की घोषणा की गई है।इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्वरंजन ने बताया कि जबलपुर से हबीबगंज जाने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस 02161/62 को आगामी 7 जून से प्रारंभ किया जा रहा है ।यह गाड़ी 7 जून को अपने पूर्व निर्धारित समय पर हबीबगंज से चलकर जबलपुर आएगी और 8 जून को जबलपुर से नियमित रूप से हबीबगंज के बीच चेलेगी। श्री रंजन ने बताया कि इसी तरह इटारसी भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस ट्रेन न.01271/72भी पुन: प्रारंभ की जा रही है .यह गाड़ी कल 6 जून को इटारसी से मदन महल, जबलपुर ,सिहोरा, कटनी मुड़वारा मार्ग से बीना होते हुए भोपाल जाएगी और इसी मार्ग से वापस भी आएगी।उन्होंने आगे बताया कि भोपाल की शान ए भोपाल एक्सप्रेस 02155/56 जो हबीबगंज से निजामुद्दीन के बीच चलती है यह गाड़ी भी 5 जून से पुन: प्रारंभ की जा रही है ।श्री रंजन ने इस संबंध में रेल यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे कोविड–19 के प्रोटोकाल का पालन करें तथा रेलवे के निर्देशों के अनुरूप सहयोग प्रदान करें जिससे कि संक्रमण के इस दौर में उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े।

जबलपुर,यशभारत ।बरगी के स्टेट बैंक में सेंध लगाकर चोरी की योजना बनाने वाले दो शातिर बदमाशों को मुखबिर की सूचना पर बरगी पुलिस ने उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे बरगी नगर रोड के श्मशान घाट में चैन की नींद सो रहे थे। उक्त कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर बरगी सीएसपी रवि चौहान के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी शिवराज सिंह , एसआई कुलदीप पटेल, एएसआई रवि सिंह परिहार रामकरण मिश्रा द्वारा की गई। इस संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बरगी स्थित स्टेट बैंक में विगत तीन एवं चार की दरमियानी रात पनागर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ब ?ैयाखे ?ा का रहने वाला 19 वर्षीय शेख हाविद पिता शेख रमजान. संजय उर्फ संजू पटेल पिता रोशनी पटेल मकान नंबर 606 बड़ा पत्थर हनुमान मंदिर के रहने वाले इन्होंने स्टेट बैंक में चोरी की योजना बनाते हुए वहां सेंधमारी की किंतु पुलिस की सतर्कता से वह अपनी योजना में सफल नहीं हुए और मौके से फरार हो गए थे पुलिस द्वारा आरोपियों को पकड़ने के लिए तमाम सबूत और सीसीटीवी फुटेज खड़ा ले जा रहे थे इसी दौरान बीती रात पुलिस को मुखबिर खास सूचना प्राप्त हुई थी दो युवक संदिग्ध हालत में बरगी नगर रोड के श्मशान घाट में सो रहे हैं जहां से दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

जबलपुर, यशभारत। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रिजु बाफना के लेटर से जिला शिक्षा विभाग में बवाल मच गया है। सीईओ ने ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड वैक्सीसनेशन की रफ्तार कम होने पर शिक्षकों को आड़े हाथ लिया और जिला शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षा विभाग के तमाम अधिकारियों को पत्र भेजकर कहा कि वैक्सीनेशन कार्य में शिक्षक महत्वपूर्ण कड़ी है परंतु देखने में आ रहा है कि इस कड़ी की सहभागिता नगण्य है। सीईओ के इस लेटर के बाद शिक्षक कर्मचारी संघों में विरोध शुरू हो गया है। राज्य शिक्षक संघ ने सीईओ की बात का विरोध करते हुए कहा कि शिक्षकों पर आरोप लगाकर उपेक्षा करना उचित नहीं है।

राज्य शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी ने बताया कि जबलपुर जिला पंचायत सीईओ द्वारा कोविड की वैक्सीन के संबंध में फैली भ्रांति को दूर करने के लिए शिक्षक संवर्ग को एक महत्वपूर्ण कड़ी तो माना परंतु यह कहकर कि इस मामले में शिक्षक संवर्ग की सहभागिता नगण्य है शिक्षक संवर्ग का अपमान किया है।

शिक्षक की सहभागिता किस आधार पर नागण्य

अपमान करके अपेक्षा करना समझ से परे,आप तो अधिकारी है जो आदेश करेंगे उसका शिक्षक संवर्ग पूरी ईमानदारी से पालन करेगा। मैं जानना चाहता हूँ हमारे संवर्ग की सहभागिता नगण्य है ऐसा आंकलन किस आधार पर किया गया और क्यों किया गया ?

शिक्षकों ने जान हथेली पर रखकर काम किया

नरेंद्र त्रिपाठी का कहना है कि इससे पूर्व कोरोना काल मे घर घर बीमारों का सर्वे,गाँव से बाहर जो लोग कहीं और फँसे है उनका पता उनका खाता नंबर ला लेकर प्रशासन को पहुँचाना,क्षेत्र की सीमाओं में चौकीदारी सहित वर्तमान में कोविड मार्गदर्शन सेंटर में ड्यूटी शिक्षक ही कर रहा है।ये तो वो कार्य है जो आदेश के पालन से हो रहा है। पर गाँव शहर जाकर संपर्क कर पता करेंगे तो सेवा कर रही सामाजिक समितियों,लोगों को कोरोना से बचाव के लिए प्रेरित करने,वैक्सीन के डर से लोगो को जागरूक करने का काम तो हम पहले ही बिना आदेश के कर रहे है।

काली पट्टी बांधकर करेंगे काम

राज्य शिक्षक संघ नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि अब जिले में एक भी वैक्सीन का डोज बेकार नही जाएगा ये शिक्षक संवर्ग का आज से ही प्रयास होगा।सभी साथी गाँव मे घूमकर फैली भ्रान्ति को दूर कर इस मानवता की रक्षा के पुनीत कार्य मे पूरी ताकत लगा देंगे। परंतु जिला पंचायत द्वारा जारी पत्र की भाषा शिक्षकों के प्रति दुराभाव को प्रगट करती है।राज्य शिक्षक संघ जबलपुर अपने सभी शिक्षक साथियो से आह्वान करता है कि आज जहाँ भी आप सेवा दे रहे है चाहे कोविड सेंटर में,या हेल्पलाइन सेंटर में या गाँव में,आप काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साईकिल सवार गंभीर

जबलपुर ,यशभारत। बीती रात पनागर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मझौली बाईपास में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक साइकिल सवार बुरी तरह से घायल हो गया।मिली जानकारी के अनुसार पनागर थाना क्षेत्र के बिजना गांव का 21 वर्षीय अमित पिता राजकुमार पटेल जब गांव लौट रहा था तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने उसे जबरदस्त टक्कर मार दी जिससे वह दूर जा गिरा ।उसके सिर मैं गंभीर चोट आई और एक पैर फैक्चर हो गया । सूचना पर पहुंचे 108 एंबुलेंस के ईएमटी गौरव दुबे एवं पायलट प्रमोद दुबे द्वारा दुर्घटना स्थल पर ही उसका प्राथमिक उपचार कर पहले पनागर के स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए जबलपुर विक्टोरिया अस्पताल रेफर कर दिया गया पुलिस द्वारा दुर्घटना की पड़ताल की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)